सुविचार

खुद का अपमान कराके जीने से तो अच्छा मर जाना है क्योंकि प्राणों के त्यागने से केवल एक ही बार कष्ट होता है पर अपमानित होकर जीवित रहने से आजीवन दुःख होता है।

-चाणक्य

जनता की भावनाओं एवं आकांक्षाओं का एकमात्र समाचार-पत्र

हैलो सरकार

www.hellosarkar.com www.hellosarkar.com www.hellosarkar.com www.hellosarkar.com www.hellosarkar.com

पल-पल की टी.वी. एवं रेडियो खबरों के लिए लॉग ऑन करें- www.hellosarkar.com

हैलो सरकार
समाचार पत्र में
नियमित पाठक बनने,
समाचार की प्रति
मंगवाने व विज्ञापन
देने हेतु सम्पर्क करें
फोन: 0141-2202717
मो: 9214203182
वाट्सप नं.
9928078717

○वर्ष-23 ○अंक-244 ○दैनिक प्रभात संस्करण ○ जयपुर, गुरूवार 08 मई , 2025 ○पृष्ठ-4 ○मूल्य: 2.50

ऑपरेशन सिंदूर-भारत ने 1971 के बाद पहली बार पाकिस्तान में दागी मिसाइलें

नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना और सेना ने अभूतपूर्व सैन्य अभियान ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया। इसके तहत पाकिस्तान के भीतर आतंक के अड्डों को निशाना बनाया गया। इस बार हमला न सिर्फ वायुसेना ने किया, बल्कि थलसेना की आर्टिलरी यूनिट्स ने भी बेहद आधुनिक हथियारों और स्मार्ट तकनीक के साथ युद्धस्तर पर कार्रवाई की।

यह पहली बार है जब 1971 के युद्ध के बाद भारत ने पाकिस्तान की जमीन पर मिसाइलें दागीं। आधिकारिक तौर पर यह स्ट्राइक देर रात 1 बजे शुरू होकर 1ः30 बजे तक चली।

भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान के बहावलपुर स्थित 31वीं कोर के मुख्यालय पर सीधा हमला किया। यह इलाका पाकिस्तानी सेना की एक अहम सैन्य छावनी है।

वायुसेना ने इस मिशन के लिए विभिन्न प्रकार के विमानों का इस्तेमाल किया, जिनमें राफेल भी शामिल थे, जो स्कैल्प और हैमर जैसी लंबी दूरी की एयर-टू-सर्फेस मिसाइलों से लैस थे।

बता दें कि उरी स्ट्राइक (2016) सीमित पैमाने की सर्जिकल स्ट्राइक थी, जिसके तहत एलओसी पार कर सेना ने आतंकियों के कैंप तबाह किए थे। वहीं, बालाकोट एयरस्ट्राइक (2019) में जैश-ए-मोहम्मद के आतंकी शिविरों पर वायुसेना का सीमित हमला किया गया था, जबकि %ऑपरेशन सिंदूर% (2025) इन दोनों से कई गुना व्यापक और गहराई तक किया गया हमला था, जिसमें वायुसेना के साथ-साथ थलसेना ने भी संयुक्त कार्रवाई की।

खैबर पख्तूनख्वा इलाके की सटीक पहचान की गई थी। ऑपरेशन सिंदूर में भारत ने मल्टीपल वेक्टर प्लेटफॉर्म्स का उपयोग किया। यानी अलग-अलग दिशाओं और माध्यमों से बम और मिसाइलें दागी गईं। भारत ने पंजाब प्रांत और पाक अधिकृत कश्मीर में स्थित आतंकी ठिकानों को भी निशाना बनाया।

थलसेना ने 155एमएम-एक्स-क्लाइबर और एम777 होवित्जर से जीपीएस-निर्देशित गोलाबारी की। एम777 एक हल्का, तेजी से तैनात होने वाला हॉवित्जर है, जो दुर्गम इलाकों में भी ऑपरेशन को अंजाम दे सकता है।

OPERATION
SINDOOR

सेना ने लोइटरिंग एम्युनिशन और कामिकाजा ड्रोन जैसी निचली उड़ान और खुद को लक्ष्य पर विस्फोट करने वाली तकनीक का इस्तेमाल किया।

भारतीय हमले के बाद पाकिस्तान की आर्टिलरी यूनिट को प्रतिक्रिया देने में 20 से 25 मिनट का समय लग गया, जिससे भारत को मिशन को सफलता से अंजाम देने का पूरा समय मिला।

इस ऑपरेशन में भारत ने आधुनिकतम तकनीक जैसे जीपीएस, रेडियो लिंक, फोटोग्राफी सिस्टम और स्मार्ट आर्टिलरी का प्रभावशाली समन्वय दिखाया। यह भारतीय सेना और वायुसेना की संयुक्त क्षमता और युद्ध कौशल का प्रमाण था। ऑपरेशन सिंदूर केवल एक जवाबी कार्रवाई नहीं, बल्कि भारत की नई सैन्य रणनीति और तकनीकी क्षमता का प्रत्यक्ष प्रदर्शन है।

आपदा प्रबंधन और नागरिक सुरक्षा के लिए उठाएं आवश्यक कदम, बुनियादी सुविधाएं और सेवाएं रहें सुचारू-भजनलाल शर्मा

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भारत द्वारा पाकिस्तान स्थित आतंकी ठिकानों पर की गई एयर स्ट्राइक के मद्देनजर प्रदेशभर में सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने पूरी सतर्कता से सीमावर्ती क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखने के साथ-साथ पुलिस एवं प्रशासन के अधिकारियों को केन्द्रीय गृह मंत्रालय और केन्द्रीय एजेन्सियों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए सुरक्षा की दृष्टि से सभी आवश्यक कदम उठाने के लिए निर्देशित किया।

शर्मा बुधवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में पुलिस विभाग के उच्च अधिकारियों की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्थान पाकिस्तान का सीमावर्ती राज्य है, इसलिए उच्चतम मानकों की अनुपालना करते हुए प्रदेश की सुरक्षा व्यवस्था दुरूस्त होनी चाहिए। शर्मा ने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों के दृष्टिगत राष्ट्र विरोधी शक्तियां प्रदेश में साम्प्रदायिक सद्भाव बिगाड़ने का प्रयास कर सकती हैं।

उन्होंने पुलिस अधिकारियों को सोशल मीडिया पर प्रभावी निगरानी के साथ अफवाह फैलाने वालों के विरूद्ध त्वरित कार्रवाई करने के लिए निर्देशित किया।

मुख्यमंत्री ने समस्त जिलों की आन्तरिक सुरक्षा योजना और आपदा प्रबंधन की समीक्षा करते हुए कहा कि चिकित्सालयों में पर्याप्त दवा, ऑक्सीजन और एम्बुलेंस की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। साथ ही, चिकित्सकों सहित आवश्यक मानव संसाधन एवं उपकरण भी उपलब्ध रहें। शर्मा ने पानी, बिजली एवं आवश्यक बुनियादी संसाधनों की उपलब्धता और इससे संबंधित सेवाओं को सुचारू रखने के लिए भी अधिकारियों को निर्देशित किया। साथ ही, उन्होंने बुधवार को हो रही मॉक ड्रिल और ब्लैक आउट की भी विस्तृत समीक्षा की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थानों पर प्रभावी सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने पुलिस कार्मिकों की छुट्टियां निरस्त करने और उन्हें मुख्यालय पर उपस्थित रहने के लिए पाबंद के संबंध में भी निर्देश दिए। शर्मा ने कहा कि एडीजी रेंज प्रभारी और प्रभारी सचिव उनके प्रभार क्षेत्र के जिलों के अधिकारियों से निरन्तर सम्पर्क में रहते हुए उक्त सभी निर्देशों की पालना सुनिश्चित कराएं।

मुख्यमंत्री ने भारतीय वायु सेना को एयर स्ट्राइक के लिए दी बधाई

मुख्यमंत्री शर्मा ने भारतीय सेना को पाकिस्तान स्थित आंतकी ठिकानों पर प्रभावी एवं सटीक एयर स्ट्राइक करने के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि कायराना पहलगाम हमले का करारा जवाब देते हुए भारतीय एयर फोर्स ने अदम्य साहस के साथ ऑपरेशन सिदूंर को अंजाम दिया और 9 आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नया भारत आंतकियों और उनके आकाओं को अंजाम तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

बैठक में मुख्य सचिव सुधांश पंत, पुलिस महानिदेशक यू. आर. साहू सहित सम्बन्धित पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

भारत-पाक तनाव के बीच गृह विभाग ने आपात स्थिति से निपटने के लिए दिए ये 10 अहम निर्देश

जयपुर। भारत-पाक सीमा पर संभावित युद्ध जैसे हालातों को देखते हुए राजस्थान सरकार का गृह विभाग सतर्क हो गया है। राज्य के गृह विभाग ने सभी जिला मजिस्ट्रेटों और कलेक्टरों को व्यापक दिशा-निर्देश जारी करते हुए आपदा प्रबंधन को प्राथमिकता पर रखने के निर्देश दिए हैं। इन निर्देशों का उद्देश्य न केवल जनजीवन की सुरक्षा सुनिश्चित करना है, बल्कि आपात स्थिति में संसाधनों की समुचित उपलब्धता और व्यवस्था भी बनाए रखना है।

पाक से तनाव के बीच राजस्थान में प्रशासन अलर्ट, जानिए एयर सायरन बजने के बाद आपको क्या करना है

दिए गए प्रमुख निर्देश

*अस्पतालों में जीवन रक्षक दवाएं, चिकित्सकीय स्टाफ और ब्लड बैंक में सभी रक्त समूहों की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

*चिन्हित अस्पतालों व स्कूलों में अस्थायी अस्पताल और राहत शिविर बनाए जाएं तथा जनरेटर की व्यवस्था की जाए।

*सोशल मीडिया पर सख्त निगरानी रखी जाए और देशविरोधी या भड़काऊ पोस्ट पर त्वरित कानूनी कार्रवाई की जाए।

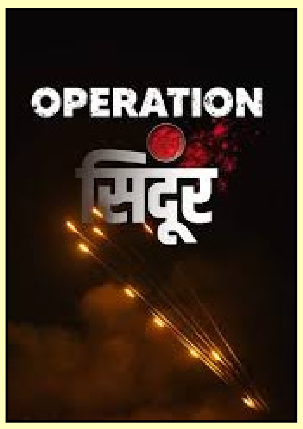

*खाद्य सामग्री की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए और अनावश्यक भंडारण को रोकने हेतु जागरूकता अभियान चलाया जाए।

*जन स्वास्थ्य विभाग यह सुनिश्चित करे कि पेयजल आपूर्ति आपात स्थिति में भी निर्बाध रूप से हो।

*सीमावर्ती जिलों के अधिकारी सेना एवं केंद्रीय एजेंसियों से निरंतर समन्वय बनाए रखें।

*सीमा पर स्थित गांवों के लिए आपात निकासी योजनाएं तैयार हों और उनका अभ्यास समय-समय पर कराया जाए।

*संवेदनशील स्थलों जैसे अस्पताल, तेल व गैस पाइपलाइन, धार्मिक स्थलों की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की जाए।

*ग्राम व पंचायत स्तर पर सरकार की व्यवस्थाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचे और उनका भरोसा बना रहे।

*अग्निशमन सेवा, संचार व्यवस्था और पब्लिक एड्रेस सिस्टम सक्रिय रहें तथा मॉक ड्रिल नियमित रूप से कराई जाए।

ऑपरेशन सिंदूर आतंक के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति का प्रमाण, आज सर्वदलीय बैठक-अमित शाह

नई दिल्ली । जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले का बदला भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में दहशतगर्दों के नौ ठिकानों पर सटीत एयर स्ट्राइक कर लिया है। भारत की तीनों सेनाओं ने 15 दिन बाद पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब देने के लिए ऑपरेशन सिंदूर चलाया। भारतीय सेना की इस कार्रवाई के बाद पाकिस्तान सीमा पर अलर्ट जारी किया गया है। वहां किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए रक्षा इकाइयों को सक्रिय कर दिया गया है।

करतारपुर कॉरिडोर बंद किया गया

पंजाब के गुरदासपुर जिले में डेरा बाबा नानक में करतारपुर कॉरिडोर बुधवार को बंद रखा गया। अधिकारियों ने बताया, पाकिस्तान और पीओके में नौ आतंकी ठिकानों पर भारतीय सैन्य हमले को देखते हुए यह कॉरिडोर एहतियातन बंद रखा गया। करतारपुर कॉरिडोर डेरा बाबा नानक को पाकिस्तान के करतारपुर स्थित दरबार साहिब गुरुद्वारा से जोड़ता है। करतारपुर में सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक देव ने अपने आखिरी दिन बिताए थे। यह दोनों ही स्थल सिख धर्मावलंबियों के लिए बेहद खास हैं। बुधवार को तनाव के बावजूद बड़ी संख्या में सिख श्रद्धालु करतारपुर जाने के लिए गुरदासपुर पहुंचे लेकिन उन्हें लौटने के लिए कह दिया गया। इस कॉरिडोर के जरिये प्रतिदिन 5000 सिख श्रद्धालु बिना वीजा के गुरुद्वारा दरबार साहिब तक जा सकते हैं। कॉरिडोर को 9 नवंबर, 2019 को गुरु नानक देव के 550वें प्रकाशोत्सव के मौके पर भारत-पाकिस्तान की सरकार के बीच हुए समझौते के आधार पर शुरू किया गया था। एजेंसी

आतंकवाद के खिलाफ सभी को एकजुट होकर लड़ना चाहिए- ममता बनर्जी

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को कहा कि आतंकवाद के खिलाफ सभी को मिलकर लड़ना चाहिए और इस मुद्दे पर कोई मतभेद नहीं होना चाहिए। उनका यह बयान उस समय आया, जब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पाकिस्तान और नेपाल की सीमाओं से लगे राज्यों के मुख्यमंत्रियों, मुख्य सचिवों और पुलिस महानिदेशकों (डीजीपी) के साथ एक आपात बैठक की।

बता दें कि यह बैठक जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में भारतीय सेना द्वारा पाकिस्तान और पाकिस्तान-अधिकृत कश्मीर में आतंकियों के ठिकानों पर की गई कार्रवाई के बाद बुलाई गई थी। ममता बनर्जी ने राज्य सचिवालय में कहा, %इस समय हम सभी को मिलकर आतंकवाद के खिलाफ लड़ना चाहिए। हमारे बीच कोई मतभेद नहीं होना चाहिए।% साथ ही मुख्यमंत्री ने मीडिया से अपील की कि वे सही जानकारी दें और किसी भी तरह की अफवाह या गलत सूचना न फैलाएं।

ऑपरेशन सिंदूर हमारी सीमाओं, सेना और नागरिकों को चुनौती देने वालों को करारा जवाब- शाह

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर उन लोगों को भारत की ओर से करारा जवाब है, जो हमारी सीमाओं, सेना और नागरिकों को चुनौती देने की हिम्मत करते हैं। शाह ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर पूरी दुनिया के लिए आतंकवाद के खिलाफ नरेंद्र मोदी सरकार की जीरो टॉलरेंस की नीति का प्रमाण है। गृह मंत्रालय के मुताबिक, शाह की ओर से बुलाई गई बैठक में पाकिस्तान और नेपाल की सीमा से लगे सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने पीएम मोदी और सशस्त्र बलों की बधाई दी।

सभी पक्षों से संयम बरतने और कूटनीतिक माध्यमों से संघर्ष को हल करने की अपील- अजरबैजान

ऑपरेशन सिंदूर पर अजरबैजान ने भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के और बढ़ने पर अपनी चिंता व्यक्त करता है। सैन्य हमलों की निंदा करते हुए रॉयटर्स से आई रिपोर्ट के मुताबिक अजरबैजान पाकिस्तान के लोगों के साथ एकजुट है। अजरबैजान के विदेश मंत्रालय ने सभी पक्षों से संयम बरतने और कूटनीतिक माध्यमों से संघर्ष को हल करने का आह्वान किया।

ऑपरेशन सिंदूर- ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री सुनक ने क्या कहा

ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने भी ऑपरेशन सिंदूर को लेकर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, %किसी भी देश को अन्य देश से नियंत्रित आतंकवादी हमलों को स्वीकार नहीं करना चाहिए। भारत ने आतंकवाद के बुनियादी ढांचे पर जो हमला किया है वह उचित है। आतंकवादियों को कोई छूट नहीं दी जा सकती।

डेविड लैमी ने ब्रिटेन के नागरिकों के लिए परामर्श जारी किया

ऑपरेशन सिंदूर पर यूके के विदेश मंत्री डेविड लैमी ने कहा, भारत और पाकिस्तान के बीच मौजूदा तनाव एक गंभीर चिंता का विषय है। यूके सरकार भारत और पाकिस्तान से संयम बरतने और आगे बढ़ने के लिए एक त्वरित, कूटनीतिक रास्ता खोजने के लिए सीधी बातचीत करने का आग्रह कर रही है। उन्होंने कहा, वे दोनों देशों को स्पष्ट कर चुके हैं कि टकराव बढ़ने पर कोई जीत नहीं पाएगा। यूके ने पहलगाम आतंकी हमले की स्पष्ट निंदा की थी। इस क्षेत्र में ब्रिटिश नागरिकों की सुरक्षा हमेशा हमारी प्राथमिकता रहेगी। फॉरेन, कॉमनवेल्थ एंड डेवलपमेंट ऑफिस (स्नष्टष्ठह) पूरे घटनाक्रम पर बारीकी से नजर रख रहा है। उन्होंने कहा कि एफसीडीओ किसी भी ब्रिटिश नागरिक की 24 घंटे मदद करने को तैयार है। विदेश मंत्री ने ब्रिटिश नागरिकों को अलग-अलग देशों के स्थानीय अधिकारियों की सलाह के साथ-साथ स्नष्टष्ठह की यात्रा परामर्श पर ध्यान देने की अपील भी की।

रभारत ने जवाब देने के अधिकार का इस्तेमाल किया; ऑपरेशन सिंदूर पर बोले रक्षा मंत्री राजनाथ

ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तानी आतंकी ठिकानों पर भारतीय सेना की कार्रवाई को लेकर राजनाथ सिंह ने कहा, सेना को संपूर्ण संबल प्रदान करने के लिए वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को साधुवाद देते हैं। उन्होंने कहा, हमने हनुमान जी के उस आदर्श का पालन किया है, जो उन्होंने अशोक वाटिका उजाड़ते समय किया था। राजनाथ सिंह ने रामचरित मानस की बहुचर्चित चौपाई- %जिन मोहि मारा, तिन मोहि मारे% का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा हमने केवल उन लोगों को ही मारा जिन्होंने हमारे निर्दोष लोगों को मारा। राजनाथ सिंह ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हमारी सेना ने, %ऑपरेशन सिन्दूर% लॉन्च कर आतंक को पनाह देने वाले लोगों को करारा जवाब दिया है। उन्होंने दोहराया कि भारत ने हमलों के जवाब में अपना %राइट टू रिस्पॉन्स% का इस्तेमाल किया है।

भारत और पाकिस्तान के विदेश मंत्रियों से बात करेंगे फ्रांसीसी मंत्री; संयम बरतने का आह्वान

फ्रांस के विदेश मंत्री जीन-नोएल बैरोट ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान में नष्ट किए गए आतंकी ठिकानों के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनावपूर्ण हालात को लेकर कहा, मैं स्थिति को लेकर बहुत चिंतित हूं। ये दोनों बड़ी सैन्य शक्तियां हैं, यही कारण है कि वे हम संयम बरतने का आह्वान कर रहे हैं। मैंने पिछले सप्ताह अपने भारतीय समकक्ष से बात की थी। अगले कुछ घंटों या एक-दो दिन में उनसे फिर बात करूंगा। मैं इस सामूहिक प्रयास में अपनी भूमिका निभाने के लिए अपने पाकिस्तानी समकक्ष से भी बात करूंगा।उन्होंने कहा, उनका मानना है कि किसी को भी, भारत और पाकिस्तान के बीच स्थायी टकराव में कोई दिलचस्पी नहीं है।

विदेश मंत्री जयशंकर ने कतर के समकक्ष को दी जानकारी

विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि उन्होंने कतर के प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री मोहम्मद बिन अब्दुल रहमान अल थानी से बात कर ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भारत ने सीमा पार आतंकवाद को रोकने के लिए भारत की लक्षित और संतुलित प्रतिक्रिया पर चर्चा की।

भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान में घुसकर ऑपरेशन सिंदूर कर 9 आतंकी ठिकानों पर सफल टारगेटेड कार्रवाई की

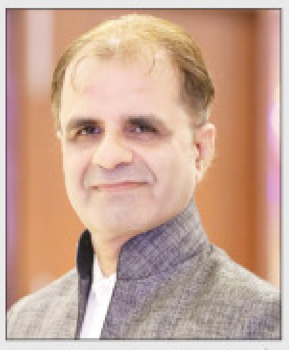

किशन सनमुखदास भावनानीं

> अगर हम उपरोक्त पर्यावरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि ऑपरेशन सिंदूर-पाकिस्तान में घुसकर 9 आतंकी ठिकानों को निशाना बनाकर ध्वस्त किया-सिविल डिफेंस मॉकड्रिल के कुछ घंटे पूर्व कार्रवाई। भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान में घुसकर ऑपरेशन सिंदूर कर 9 आतंकी ठिकानों पर सफल टारगेटेड कार्रवाई की।भारत ने आतंकवाद के खिलाफ अपनी लड़ाई को नया आयाम दिया-घर में घुसकर पाकिस्तान को ऑपरेशन सिंदूर से करारा जवाब दिया।

OPERATION
SINDOOR

वैश्विक स्तरपर पूरी दुनियाँ की निगाहें भारत पर टिकी हुई थी कि पहलगाम में मारे गए 26 सैलानियों का जवाब दोषियों उनके आकाओं योजनाकारो सहयोगियों को किस तरह देगा, क्योंकि भारत की रणनीतिक तैयारी घटना के दिन से ही शुरू हो गई थी। रणनीतिक रूप से मीटिंगों का दौरा,अंतर्राष्ट्रीय देशों से सलाह मशबिरा फिर 7 मई 2025 को पूरे भारत के 244 जिलों में सिविल डिफेंस मॉकड्रिल को आयोजित किया गया था, परंतु उसके कुछ घंटे के पूर्व ही रात्रि करीब 1.44 ए.एम पर पाकिस्तान पर भारतीय वायुसेना ने ऑपरेशन सिंदुर के तहत सफल टारगेटेड सर्जिकल स्ट्राइक कर 9 आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया, यह हमला बहावलपुर कोटली और मुजफ्फराबाद में किया गया है, जिसमें सभी आतंकी कैंप तबाह हो गए हैं। कार्रवाई को सफलता से अंजाम दिया गया, इसके पश्चात रात्रि में ही एक्सः पोस्ट पर सभी संदेश आना शुरू हो गए मैंने सुबह 6 बजे तक लगातार मीडिया चैनलों पर नजर गड़ाए रखा था तो सुबह 2.46 बजे राजनाथ सिंह का एक्सः पर पोस्ट आया भारत माता की जय,वहीं कांग्रेस नेता प्रियंका चतुर्वेदी का का 3 बजे के बाद पोस्ट आया माथे का सिंदूर मिटने वालों को उसका जवाब देकर रहेंगे, जय जवान! जयहिंदुस्तान! जय हिंद! इसी प्रकार तेजस्वी यादव, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ,आदित्य ठाकरे इत्यादि के सुबह 4 बजे के आसपास बयान आना शुरू हो गए। मेरा मानना है कि इस सर्जिकल स्ट्राइक का नाम ऑपरेशन सिंदूर इसलिए रखा गया होगा, क्योंकि पहलगाम में अनेकों भारतीय बेटियां अपना हनीमून मनाने गई थी जिनकी चर्चा हम नीचे पैराग्राफ में करेंगे, उनका सिंदुर उजड़ गया था उनसे जात धर्म पूछकर उनके पतियों को मार गिराया गया था, इसलिए इस ऑपरेशन के जरिए उन बेटियों को इंसाफ देने की थोड़ी सी कोशिश की गई है यानी यूं कहें कि यह तो केवल टेलर है अब खेला तो शुरू होगा। चूँकि भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान में घुसकर ऑपरेशन सिंदूर के तहत 9 आतंकी ठिकानों पर सफल टारगेटेड कार्रवाई कर उन्हें ध्वस्त कर दिया है, जिससे भारत नें आतंकवाद के खिलाफ अपनी लड़ाई को नया आयाम दिया है, क्योंकि ऑपरेशन सिंदूर से घर में घुसकर पाकिस्तान को करारा जवाब दिया है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोगसे इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,ऑपरेशन सिंदुर- भारत ने पाकिस्तान में घुसकर 9 आतंकी ठिकानों को निशाना बनाकर ध्वस्त किया, सिविल डिफेंस मॉक ड्रिल के कुछ घंटे पूर्व की कार्रवाई हुई।

साथियों बात अगर हम दिनांक 7 मई 2025 को अर्ली मॉर्निंग सिविल डिफेंस मॉकड्रिल के कुछ घंटे पहले पाकिस्तान में घुसकर सर्जिकल एयर स्ट्राइक की करें तो, भारत ने पाकिस्तान पर की एयर स्ट्राइक,9 आतंकी ठिकानों पर किया हमला।भारत ने आतंकवाद के खिलाफ अपनी लड़ाई को एक नया आयाम देते हुए ऑपरेशन सिंदूर को लॉन्च किया है। इस ऑपरेशन में भारतीय वायु सेना ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में स्थित 9 आतंकी ठिकानों पर टारगेटेड स्ट्राइक की है। यह कार्रवाई 6 मई 2025 की देर रात डेढ़ बजे के आसपास अंजाम दी गई। भारत ने आतंकवाद के खिलाफ अपनी लड़ाई को एक नया आयाम देते हुए ऑपरेशन सिंदूर को लॉन्च किया है। शुरूआती जानकारी के मुताबिक, भारतीय वायु सेना ने अत्यन्त सटीक और सावधानीपूर्वक इन ठिकानों को निशाना बनाया है।पीआईबी ने जानकारी दी है कि ऑपरेशन सिंदूर की प्लानिंग को बहुत ही रणनीतिक रूप से तैयार किया गया ताकि आतंकवादियों की गतिविधियों को करारा जवाब दिया जा सके, इस ऑपरेशन के दौरान पाकिस्तान की सैन्य सुविधाओं को नहीं छुआ गया है, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि कार्रवाई का असल मकसद आतंक को खत्म करना है,न कि पड़ोसी मुल्क के साथ संघर्ष को बढ़ाना, वायु सेना की तरफ से ये स्ट्राइक भारत के कमोबेश 300 लोकेशन पर होने वाले मॉक ड्रिल से कुछ घंटे पहले किया गया है। पीआईबी के मुताबिक, ये कदम पहलगाम में हुए बर्बर आतंक वादी हमले के बाद उठाए गए हैं, जिसमें 26 भारतीय और एक नेपाली नागरिक की हत्या कर दी गई थी। भारत अपनी इस प्रतिबद्धता पर खरा उतरा है कि इस हमले के लिए जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाएगा। पीआईबी ने बताया कि 'ऑपरेशन सिंदूर' पर आगे की जानकारी जल्द ही दी जाएगी। भारतीय सेना ने जम्मू और कश्मीर स्थित पहलगाम में हुए आतंकी हमले का बदला ले लिया है सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर स्थित मुजफ्फराबाद में भारतीय सेना ने आतंकी ठिकानों पर स्ट्राइक की।

साथियों बात अगर हम रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी बयान की करें तो,भारतीय सशस्त्र बलोंने पाकिस्तान व पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू और कश्मीर में आतंकवादी बुनियादी ढांचे को निशाना बनाते हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया, जहाँ से भारत के खिलाफ आतंकवादी हमलों की योजना बनाई गई. कुल मिलाकर, नौ (9) स्थलों को निशाना बनाया गया है.बयान में कहा गया- हमारी कार्रवाई केंद्रित, सधी और उकसाने से बचने वाली रही,किसी भी पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों को निशाना नहीं बनाया गया है भारत ने ठिकानों के चयन और उन्हें तबाह करने तरीके में काफी संयम दिखाया है,बयान के अनुसार ये कदम पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के मद्देनजर उठाए गए हैं जिसमें 25 भारतीय और एक नेपाली नागरिक की हत्या कर दी गई थी, मंत्रालय ने कहा कि हम इस प्रतिबद्धता पर खरे उतर रहे हैं कि इस हमले के लिए जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाएगा, बाद में ऑपरेशन सिंदूर पर विस्तृत जानकारी दी जाएगी।

साथियों बात अगर हम सर्जिकल स्ट्राइक का नाम ऑपरेशन सिंदूर रखने से संभावित कारणों की करें तो, इसके पीछे सरकार का मकसद क्या रहा होगा,डिफेंस एक्सपर्ट की मानें तो पहलगाम में आतंकियों ने कई ऐसे लोगों को मारा जिनकी चंद दिनों पहले शादी हुई थी। भारत ने इन महिलाओं की आंखों में आंसू देखे थे, तभी कसम खाई थी कि एक-एक आंसू का हिसाब लिया जाएगा, इनमें गुरुग्राम की हिमांशी नरवाल भी थीं, जिनकी 16 अप्रैल को शादी हुई थी, वह पति लेफ्टिनेंट विनय नरवाल के साथ हनीमून मनाने गई थीं, लेकिन आतंकियों ने विनय को मार डाला। इसी तरह जयपुर की प्रियंका शर्मा को आतंकियों को दर्द दिया, प्रियंका अपने पति रोहित के साथ पहलगाम में हनीमून मनाने गई थीं, हमले के दौरान रोहित को गोली लगी और उनकी मौके पर ही मौत हो गई, प्रियंका घायल हुईं और उन्हें श्रीनगर के अस्पताल में भर्ती कराया गया। शिमला की रहने वाली अंजलि ठाकुर अपने पति विवेक ठाकुर के साथ गई थीं, इनकी भी इसी साल 12 अप्रैल को शादी हुई थी, विवेक और अंजलि पहलगाम में ट्रेकिंग के लिए गए थे, लेकिन आतंकियों ने उन्हें भी नहीं बख्शा, अंजलि किसी तरह बच गईं, अंजलि ने बाद में कहा,हमारी जिंदगी शुरू होने से पहले ही खत्म हो गई. उनकी बातों ने सबको हिला दिया था। पुणे की रहने वाली स्नेहा पाटिल अपने पति अमित पाटिल के साथ हनीमून पर गई थीं, 10 अप्रैल को ही इनकी शादी हुई थी, अमित और स्नेहा पहलगाम में छुट्टियां मना रहे थे, तभी आतंकियों ने उन्हें गोली मार दी,स्नेहा ने अस्पताल में कहा, आतंकियों ने हमारा सब कुछ छीन लिया। सिंदूर मिटाने पर 'ऑपरेशन सिंदूर' पहलगाम के आतंकियों ने जब बैसरन में हमला किया तो वहां उन्होंने किसी भी महिला की जान नहीं ली, दरअसल, इस ऑपरेशन के नाम के पीछे भी एक कारण छिपा है।जब आतंकी हमारी महिलाओं का सिंदूर छीनने की साजिश करें, तो जवाब उसी प्रतीक से दिया जाए, यह संदेश स्पष्ट है, भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के जरिए न सिर्फ आतंकियों को सबक सिखाया है, बल्कि यह भी जता दिया है कि अब किसी भी महिला के सिंदूर पर हाथ डालना सीधा युद्ध के बराबर माना जाएग।

साथियों बात अगर हम ऑपरेशन सिंदूर बेहद सीमित सटीक, रणनीतिक व कानून के दायरे में होने की करें तो, यह कार्रवाई बेहद सीमित, रणनीतिक रही, किसी भी पाकिस्तानी सैन्य ठिकाने को निशाना नहीं बनाया गया है। भारत ने आतंकियों के ठिकाने पर मिसाइले दाग कर यह संदेश देने की कोशिश की है कि वह आतंक के खिलाफ सख्त कदम उठाने के लिए हमेशा प्रतिबद्ध है, इससे यह भी साफ हो गया कि भारत अब केवल चेतावनी नहीं देगा, बल्कि जवाबी कार्रवाई भी करेगा। भारत की यह कार्रवाई पूरी तरह से अंतरराष्ट्रीय कानून के दायरे में रही, कोई असैन्य ठिकाना या आम नागरिक इस कार्रवाई की चपेट में नहीं आया, भारतीय विदेश मंत्रालय और रक्षा मंत्रालय ने स्पष्ट कर दिया है कि यह ऑपरेशन केवल आतंकवाद के खिलाफ था, न कि पाकिस्तान की संप्रभुता पर हमला, हालांकि, इससे पाकिस्तान में घबराहट साफ देखी जा सकती है, कई आतंकी ठिकानों को खाली करा लिया गया है और सीमा पर हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया है। 'ऑपरेशन सिंदूर' ने पाकिस्तान को यह भी दिखा दिया है कि अब भारत पुरानी नीति पर नहीं चलेगा, 2016 की सर्जिकल स्ट्राइक और 2019 की बालाकोट एयरस्ट्राइक के बाद यह तीसरी बड़ी कार्रवाई है, जो सीधे पाकिस्तान की धरती पर जाकर की गई है। इसका एक बड़ा संदेश यह भी है कि भारत अब बात नहीं, केवल जवाबी कार्रवाई में विश्वास रखता है पाक को अब तय करना है, वह आतंक की पनाहगाह बना रहेगा या जिम्मेदार पड़ोसी की तरह व्यवहार करेगा।

अतः अगर हम उपरोक्त पर्यावरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि ऑपरेशन सिंदूर- पाकिस्तान में घुसकर 9 आतंकी ठिकानों को निशाना बनाकर ध्वस्त किया-सिविल डिफेंस मॉकड्रिल के कुछ घंटे पूर्व कार्रवाई। भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान में घुसकर ऑपरेशन सिंदूर कर 9 आतंकी ठिकानों पर सफल टारगेटेड कार्रवाई की।भारत ने आतंकवाद के खिलाफ अपनी लड़ाई को नया आयाम दिया-घर में घुसकर पाकिस्तान को ऑपरेशन सिंदूर से करारा जवाब दिया।

संपादकीय

मॉक ड्रिल का संदेश

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने देश के कई राज्यों को कल 7 मई को व्यापक नागरिक सुरक्षा (सिविल डिफेंस) मॉक ड्रिल आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब भारत पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकी हमले, जिसमें 26 नागरिक मारे गए, के जवाब में कड़ा रुख अपनाए हुए है। हालांकि घटना के बाद से ही केंद्र सरकार ने एक के बाद एक कूटनीतिक और आर्थिक फैसले लेकर इस हमले को शह देने वाले पाकिस्तान को कड़ा संदेश दिया है। लेकिन देश के नागरिक इस हमले से इस कदर गुस्से में हैं कि उसी तरह मुंह तोड़ जवाब देना चाहते हैं जिस तरह पुलवामा और उरी में आतंकवादी घटनाओं के बाद दिया गया था। केंद्र में सत्तारूढ़ मोदी सरकार पर भारी दबाव है कि माकूल जवाब दे। जन भावना इस कदर आक्रोशित है कि कुछ दिन पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सेनाओं के पाले में गेंद डालते हुए उन्हें जवाबी कार्रवाई करने की पूरी छूट दे दी थी। अब केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कई राज्यों को मॉक ड्रिल आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। मॉक ड्रिल आपातकालीन संकट या संकट की स्थिति में अपनी तैयारी और प्रतिक्रिया क्षमता को परखने का प्रभावी तरीका है। इससे सुरक्षा योजनाओं को परखने, उनकी कमी पहचानने और उन्हें सुधारने में मदद मिलती है। मॉक ड्रिल के जरिए दुनिया को साफ संदेश जाएगा कि पाकिस्तान को सबक सिखाने के लिए भारत पूरी तैयारी कर रहा है, जो सीमित या पूर्ण युद्ध के रूप में हो सकती है यानी भारत के कूटनीतिक कदम अब युद्ध की रणनीति की तरफ तेजी से बढ़ रहे हैं। मॉक ड्रिल के दौरान एयर रेड वार्निंग सायरनों का संचालन होगा। नागरिकों को संभावित हमलों की स्थिति में खुद को सुरक्षित रखने के लिए आवश्यक सुरक्षा तकनीकों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। क्रैश ब्लैकआउट की व्यवस्था की जाएगी। महत्त्वपूर्ण संयंत्रों और प्रतिष्ठानों की त्वरित कैमुफ्लाजिंग की जाएगी जो राष्ट्रीय संपत्तियों को सुरक्षा के लिए एक मान युद्धकालीन उपाय है। निकासी योजनाओं का अद्यतन और पूर्वाभ्यास होगा जिसके तहत किसी भी आपात स्थिति में नागरिकों को तेजी से सुरक्षित स्थानों पर ले जाने का अभ्यास किया जाएगा।

चिंतन-मनन

व्यापारी के बेटे

एक व्यापारी के दो पुत्र थे। मरने से पहले उसने अपनी संपत्ति दोनों बेटों में बराबर-बराबर बांट दी। एक पुत्र ने अपने व्यापार को काफी बढ़ाया। वह अत्यंत संपन्न होकर समाज के प्रतिष्ठत लोगों में गिना जाने लगा। जबकि दूसरे को व्यापार में घाटा हो गया और उसके परिवार को दो जून की रोटी जुटाने में भी अत्यंत तकलीफें उठानी पड़ीं। अपने भाई की तरक्की और अपनी दुर्दशा देखकर दूसरा भाई एक संत के आश्रम में पहुंचा और बोला, महाराज, मुझे लगता है कि ईश्वर केवल कल्पना है और यदि उसका अस्तित्व कहीं है भी तो वह पक्षपाती है। क्या वह भी पक्षपात करता है? मैं और मेरे भाई दोनों एक ही पिता की संतान हैं। पिता ने दोनों को बराबर हिस्सा दिया। लेकिन वह लगातार तरक्की कर रहा है और मैं रसातल की ओर जा रहा हूं। भला ऐसा क्यों?

उसकी बात सुनकर संत उसे अपने साथ एक बगीचे में ले गए और बोले, देखो, वहां एक कोने में गन्ना बोया हुआ है, दूसरे कोने में चिरायता है, एक ओर चमेली के फूल अपनी सुगंध बिखेर रहे हैं तो दूसरी ओर गुलाब के पौधों पर फूलों के साथ कांटे भी नजर आ रहे हैं । इनकी इस भिन्नता के लिए इन्हें पैदा करने वाली जमीन दोषी या पक्षपाती नहीं है। जैसा बीज बोया गया है वैसा ही फल मिला है। सुख-दुख और उन्नति-अवनति के लिए ईश्वर जिम्मेदार नहीं बल्कि स्वयं मनुष्य जिम्मेदार है। उसके कर्म और संस्कार जिम्मेदार हैं। तुम्हारे भाई ने मेहनत और योग्यता से अपने काम को संभाला तो उसकी उन्नति होती गई, इसके विपरीत तुमने आलस्य और भोग-विलास में अपना समय व्यतीत किया तो तुम्हारा धन धीरे-धीरे खत्म होता गया। तुमने मेहनत की ही कब थी जो ईश्वर को दोष दे रहे हो। जैसा कर्म तुमने किया है वैसा ही फल पाया है। ह सुनकर दूसरे पुत्र की आंखें खुल गईं। वह अपनी गलती सुधारने का निश्चय कर वहां से चला आया।

आपदा के समय भरोसेमंद दोस्त 'रेडक्रॉस'

योगेश कुमार गोयल

रेडक्रॉस की स्थापना महान मानवता प्रेमी जीन हेनरी डयूनेंट द्वारा की गई थी, इसीलिए उनके जन्मदिन के अवसर पर प्रतिवर्ष विश्वभर में 8 मई का दिन 'अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस दिवस' के रूप में मनाया जाता है और संस्था की गतिविधियों से आम आदमी को अवगत कराने के प्रयास किए जाते हैं। रेडक्रॉस की स्थापना वर्ष 1863 में हुई थी और अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस सोसायटी दुनिया के सभी देशों में रेडक्रॉस आन्दोलन का प्रसार करने के साथ-साथ रेडक्रॉस के आधारभूत सिद्धांतों के संरक्षक के रूप में भी कार्य कर रही है। 8 मई 1828 को जन्मे डयूनेंट 1859 में हुई सालफिरोनो (इटली) की लड़ाई में घायल सैनिकों की दुर्दशा देख बहुत आहत हुए थे क्योंकि युद्धभूमि में पड़े इन घायल सैनिकों के उपचार के लिए कोई चिकित्सा व्यवस्था उपलब्ध नहीं थी। युद्ध मैदान में घायल पड़े इन्हीं सैनिकों के दर्दनाक हालातों पर अपने कड़वे अनुभवों के आधार पर उन्होंने 'मेमोरी और सालफिरोनो' नामक एक पुस्तक भी लिखी और 1863 में रेडक्रॉस की अंतर्राष्ट्रीय समिति 'आईसीआरआई' का गठन किया। डयूनेंट के सतत प्रयासों की बदौलत ही 1864 में जेनेवा समझौते के तहत 'अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस मूवमेंट' की स्थापना हुई। डयूनेंट ने इटली में युद्ध के दौरान रक्तपात का ऐसा भयानक मंजर देखा था, जब चिकित्सकीय सहायता के अभाव में युद्धक्षेत्र में अनेक घायल सैनिक हृदयविदारक कष्टों से तड़प रहे थे। ऐसे घायलों की सहायता के लिए उन्होंने स्थायी समितियों के निर्माण की आवश्यकता को लेकर आवाज बुलंद की, जिसका असर भी दिखा। युद्ध में आहतों की स्थिति के सुधार के साधनों का अध्ययन करने के लिए उसके बाद एक आयोग का गठन किया गया। 1863 में जेनेवा में एक अंतर्राष्ट्रीय बैठक में रेडक्रॉस के आधारभूत सिद्धांत निर्धारित किए गए तथा रेडक्रॉस आन्दोलन का विकास करते हुए आहत सैनिकों और युद्ध पीड़ितों की सहायता संगठित करने हेतु दुनियाभर के सभी देशों में राष्ट्रीय समितियां बनाने पर जोर दिया गया। नेपोलियन तृतीय के हस्तक्षेप के चलते अंतर्राष्ट्रीय समिति 'स्विस फेडरल काउंसिल' को 8 अगस्त 1864 को जेनेवा में सम्मेलन बुलाने के लिए राजी करने में सफल हुई, जिसमें 26 देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए। इस सम्मेलन के चलते जेनेवा अधिवेशन हुआ, जिसमें सुरक्षा के प्रतीक रेडक्रॉस वाले सफेद झंडे पर स्वीकृति की मोहर लगाई गई, जो आज समस्त विश्व में रेडक्रॉस का प्रतीक चिन्ह बना हुआ है। शुरूआती दौर में रेडक्रॉस की भूमिका युद्ध के दौरान बीमार और घायल सैनिकों, युद्ध करने वालों और युद्धबंदियों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाना तथा उन्हें उचित उपचार सुविधाएं उपलब्ध कराने तक ही सीमित थी किन्तु अब इस संस्था के दायित्वों का दायरा लगातार विस्तृत होता जा रहा है। मानवीय सेवा को समर्पित रेडक्रॉस ने प्रथम तथा द्वितीय विश्वयुद्ध में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए अनेक घायल सैनिकों तथा नागरिकों की सहायता कर अनुकरणीय उदाहरण पेश किया था। दुनिया के किसी भी भाग में जब भूकम्प, बाढ़, भू-स्खलन या अन्य किसी भी प्रकार की प्राकृतिक अथवा मानवीय आपदा सामने आती है तो सबसे पहले 'अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस सोसायटी' की टीमें वहां पहुंचकर राहत कार्यों में जुट जाती हैं। शांति और सौहार्द के प्रतीक के रूप में जानी जाने वाली इस संस्था ने अपने कर्मठ, समर्पित और कर्त्तव्यनिष्ठ स्वयंसेवकों के माध्यम से न केवल भारत में बल्कि दुनियाभर में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। फिलहाल 190 से भी अधिक देशों में 'रेडक्रॉस' संस्था सक्रिय है। भारत में 'भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी अधिनियम' के तहत वर्ष 1920 में रेडक्रॉस सोसायटी का गठन हुआ था और स्थापना के नौ वर्ष बाद इसकी सराहनीय गतिविधियों को देखते हुए अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस सोसायटी ने 'भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी' को मान्यता प्रदान की। भारत में रेडक्रॉस की स्थापना के शुरूआती वर्षों में देश में रेडक्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष भारत के उपराष्ट्रपति होते थे किन्तु वर्ष 1994 में रेडक्रॉस एक्ट में संशोधन करते हुए सोसायटी का पदेन अध्यक्ष महामहिम राष्ट्रपति को तथा सचिव केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री को बनाया गया। वर्तमान समय में भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी की देशभर में 750 से अधिक शाखाएं मानवता की सेवा में जी-जान से जुटी हैं। रेडक्रॉस एक ऐसी स्वयंसेवी संस्था है, जो देश के किसी भी हिस्से में प्राकृतिक अथवा मानवीय आपदा के शिकार लोगों को बचाने व राहत पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है और इसमें शामिल होने वाले कर्मठ स्वयंसेवकों की संख्या निरन्तर बढ़ रही है। विश्वभर में रेडक्रॉस के करीब एक करोड़ सत्तर लाख स्वयं सेवक हैं। यही कारण है कि रेडक्रॉस दिवस को 'अंतर्राष्ट्रीय स्वयंसेवक दिवस' भी कहा जाता है। रेडक्रॉस लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित करती है और अपनी विभिन्न शाखाओं के जरिये देशभर में जगह-जगह रक्तदान शिविर लगाकर प्रतिवर्ष बहुत बड़ी मात्रा में रक्त एकत्रित करती है। देश में रक्त एकत्रित करने तथा वही रक्त जरूरतमंद लोगों के लिए सही समय पर उपलब्ध कराने का कार्य यह संस्था कई दशकों से लगातार कर रही है। वास्तव में रक्त इकट्ठा करने वाली यह विश्व की एकमात्र सबसे बड़ी संस्था है, जिससे कैंसर, थैलेसीमिया, एनीमिया जैसी प्राणघातक बीमारियों से जूझ रहे हजारों लोगों की भी जान बचाई जाती है। रेडक्रॉस की पहल पर दुनिया का पहला ब्लड बैंक अमेरिका में 1937 में स्थापित हुआ था और वर्तमान में दुनियाभर के अधिकांश ब्लड बैंकों की देखरेख रेडक्रॉस तथा उसकी सहयोगी संस्थाओं द्वारा ही की जाती है।

भारत-चीन संबंध : कैलाश से कूटनीति तक

नृपेंद्र अभिषेक नृप

भारत और चीन, दो प्राचीन सभ्यताओं और समकालीन वैश्विक शक्तियों के बीच संबंधों का इतिहास जटिल, उलझा हुआ और समय-समय पर संघर्षों से भरा रहा है। इन संबंधों में हालिया हलचल उस समय देखने को मिली जब भारत के विदेश मंत्रालय ने घोषणा की कि 750 भारतीय तीर्थयात्री इस वर्ष जून-अगस्त के बीच दो समूहों में कैलाश मानसरोवर यात्रा कर सकेंगे। कैलाश मानसरोवर चीन के तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र में स्थित है, और इसका धार्मिक, सांस्कृतिक तथा कूटनीतिक महत्त्व अत्यधिक है। पांच वर्षों के अंतराल के बाद इस यात्रा का पुनः आरंभ होना केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं, बल्कि दोनों देशों के बीच संबंधों को सामान्य बनाने की दिशा में एक सूक्ष्म किंतु महत्त्वपूर्ण संकेत भी है।

पिछले पांच वर्षों में कैलाश मानसरोवर यात्रा के निलंबन के पीछे दो मुख्य कारण रहे। पहला, वैश्विक महामारी कोविड-19, जिसने न केवल व्यक्तियों और समुदायों को अलग-थलग कर दिया, बल्कि देशों के बीच संपर्क और सहयोग के रास्ते भी बाधित कर दिए। दूसरा, और अधिक जटिल कारण था 2020 में लद्दाख में भारत और चीन के बीच हुआ सैन्य गतिरोध। गलवान घाटी में हुई हिंसक झड़पों ने दोनों देशों के बीच गहरे अविश्वास और तनाव की भावना को जन्म दिया। ऐसे परिदृश्य में कैलाश मानसरोवर यात्रा का पुनः प्रारंभ होना सकारात्मक कूटनीतिक संकेत है, जो इस बात को रेखांकित करता है कि दोनों देशों में संवाद और संपर्क की छोटी-छोटी खिड़कियां अब भी खुली हैं। यह घोषणा ऐसे समय हुई है जब दुनिया पूर्वी यूरोप में युद्ध, पश्चिम एशिया में अस्थिरता और वैश्विक व्यापार पर अमेरिका द्वारा लगाए गए शुल्कों के कारण उत्पन्न हो रही अनिश्चितताओं से जूझ रही है। इन परिस्थितियों में भारत और चीन जैसे दो बड़े, परमाणु संपन्न देशों के बीच किसी भी प्रकार की सद्भावना का संकेत न केवल क्षेत्रीय शांति के लिए, बल्कि वैश्विक स्थिरता के लिए भी महत्त्वपूर्ण है। 2.8 अरब से अधिक जनसंख्या वाले इन दोनों देशों के बीच किसी भी तरह का सहयोग वैश्विक शक्ति संतुलन पर व्यापक प्रभाव डाल सकता है।

कैलाश मानसरोवर यात्रा की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि भी भारत-चीन संबंधों में विशेष स्थान रखती है। 1962 के युद्ध के बाद दोनों देशों के बीच संबंध बेहद तनावपूर्ण रहे। इस युद्ध ने न केवल सीमाओं को विवादित कर दिया, बल्कि मनोवैज्ञानिक रूप से भी दोनों देशों को एक-दूसरे से दूर कर दिया। ऐसी स्थिति में, 1979 में तत्कालीन भारतीय विदेश मंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की चीन यात्रा ऐतिहासिक मानी गई। वाजपेयी ने अपनी यात्रा के दौरान बीजिंग में भारतीयों के लिए कैलाश और मानसरोवर के धार्मिक महत्त्व को रेखांकित किया। उनके प्रयासों से 1981 में भारत और चीन के बीच आधिकारिक रूप से इस यात्रा का मार्ग प्रशस्त हुआ। चीन के तत्कालीन उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री हुआंग हुआ ने 1981 में नई दिल्ली यात्रा के दौरान आश्वासन दिया कि चीन 'जिसे भारतीय कैलाश पर्वत और मानसरोवर झील कहते हैं", वहां की यात्रा के लिए व्यवस्था करेगा। इस वक्तव्य ने दो देशों के बीच संवाद और सहयोग का एक नया द्वार खोला था। आज, जब यात्रा फिर से शुरू हो रही है, तो यह अतीत की स्मृतियों को ताजा करती है, और वर्तमान में संवाद के अवसरों को बल देती है।

रणनीतिक दृष्टि से भारत और चीन आज विभिन्न ध्रुवों पर खड़े दिखाई देते हैं। भारत जहां अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ 'क्वाड' समूह का सक्रिय सदस्य है, वहीं चीन अपनी बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव के माध्यम से वैश्विक प्रभाव बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। परंतु कूटनीति की खूबी ही यही है कि वह कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी संवाद के सेतु बनाने का प्रयास करती है। कैलाश मानसरोवर यात्रा का पुनः प्रारंभ इसी भावना का प्रतिबिंब है। हालांकि भविष्य की राह सरल नहीं है।

भारत और चीन के बीच स्थिर संबंध स्थापित करने के लिए प्रतीकात्मक पहल पर्याप्त नहीं होंगी। पारस्परिक सम्मान, सीमा विवादों के शांतिपूर्ण समाधान, आर्थिक प्रतिस्पर्धा के नियमों के प्रति प्रतिबद्धता और वैश्विक मंचों पर संतुलित सहयोग की आवश्यकता होगी। दोनों देशों को समझना होगा कि एशिया और विश्व की स्थिरता में उनकी साझी जिम्मेदारी है। सहयोग का

रास्ता दोनों के हित में है। भारत के लिए आवश्यक है कि अपनी संप्रभुता और सुरक्षा के मूलभूत सिद्धांतों से कोई समझौता किए बिना संवाद के द्वार खुले रखे। चीन के लिए भी समझना महत्त्वपूर्ण है कि भारत को दबाने की रणनीति कारगर नहीं होगी, बल्कि सम्मानजनक सहयोग ही दीर्घकालिक शांति का मार्ग प्रशस्त करेगा। कुल मिलाकर, कैलाश मानसरोवर यात्रा का फिर से प्रारंभ होना शुभ संकेत अवश्य है, लेकिन इसे संबंधों के समग्र सुधार का प्रतीक मान लेना जल्दबाजी होगी। यह यात्रा लंबी, कठिन और ऊबड़-खाबड़ राह की शुरू आत मात्र है। जिस प्रकार कैलाश पर्वत और मानसरोवर झील तक पहुंचने के लिए को अनेक कठिनाइयों और प्रतिकूलताओं का सामना करना पड़ता है, उसी प्रकार इस यात्रा के हर कदम पर सतर्कता, सहनशीलता और विवेक आवश्यक होगा।

‘निवेशक चार्टर से केवायसी एजेंसियां देंगी केआरए गतिविधियों की जानकारी

नई दिल्ली। पूंजी बाजार नियामक सेबी ने कहा कि उसने केवाईसी पंजीकरण करने वाली एजेंसियों (केआरए) के लिए एक 'निवेशक चार्टर बनाया है, जिसमें निवेशकों को दी जाने वाली सेवाओं के साथ उनके अधिकारों और शिकायत निवारण तंत्र का भी विवरण है। निवेशक चार्टर केआरए की गतिविधियों के साथ निवेशकों को क्या करें और क्या न करें के बारे में भी जानकारी दी जाएगी। इस चार्टर का उद्देश्य कई गतिविधियों के बारे में निवेशकों की जागरूकता को बढ़ाने में मदद करना है। निवेशक और ग्राहक को निवेशक सेवा अनुरोधों का लाभ उठाने के लिए केवाईसी का पंजीकरण करने वाली एजेंसियों से निपटना होता है। केआरए निवेशकों या पंजीकृत मध्यस्थों को केवाईसी के पंजीकरण और संशोधन की स्थिति को ऑनलाइन ट्रैक करने के लिए आसान पहुंच प्रदान करती हैं। सेबी ने अपने परिपत्र में पंजीकृत केआरए से निवेशक चार्टर को मौजूदा और नए निवेशकों के संज्ञान में लाने के लिए कहा है। उसने चार्टर को केआरए की वेबसाइट पर डालकर और कार्यालयों में प्रमुख स्थानों पर प्रदर्शित करने को कहा है। सेबी ने कहा है कि केवाईसी पंजीकरण एजेंसियां पंजीकृत मध्यस्थों से प्रतिभूति बाजार में निवेशकों के केवाईसी रिकॉर्ड के पंजीकरण और संशोधन की सुविधा देती हैं, जिससे निवेशक की पहचान का सत्यापन और मान्यता तय होती है।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को रुपया आठ पैसे की गिरावट के साथ ही 84.38 पर बंद हुआ। सुबह रुपया कारोबार में सीमित दायरे में कारोबार करता हुआ दिखा। ये आठ पैसे की गिरावट के साथ 84.38 प्रति डॉलर पर आ गया। डॉलर सूचकांक में तेजी और एशियाई मुद्राओं में गिरावट का दबाव स्थानीय मुद्रा पर पड़ा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि कच्चे तेल की कीमतों में समग्र गिरावट और विदेशी पूंजी प्रवाह जारी रहने से अमेरिकी डॉलर/भारतीय रुपये की जोड़ी को समर्थन मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 84.28 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती सौदों में 84.26 प्रति डॉलर के उच्च स्तर पर पहुंचा और फिर 84.38 प्रति डॉलर के निचले स्तर पर आ गया जो पिछले बंद के मुकाबले आठ पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 84.30 पर बंद हुआ। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.03 फीसदी की गिरावट के साथ ही 99.79 पर रहा।

रॉयल एनफील्ड ने स्क्रैम 440 की बिक्री और बुकिंग अस्थायी रूप से रोकी

नई दिल्ली। रॉयल एनफील्ड की स्क्रैम 440 बाइक को लेकर कंपनी ने बड़ा कदम उठाया है। इंजन में आ रही तकनीकी समस्या के कारण कंपनी ने इसकी बुकिंग और बिक्री को अस्थायी रूप से रोक लगा दिया है। यह बाइक जनवरी 2025 में लॉन्च की गई थी और स्क्रैम 411 की उत्तराधिकारी मानी जा रही थी। ग्राहकों की शिकायतों के अनुसार, बाइक का इंजन कुछ समय तक चलने के बाद स्टार्ट नहीं होता, खासकर जब ट्रैफिक में रुकने के बाद इसे दोबारा चालू किया जाता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक यह समस्या बाइक के इंजन में मौजूद एक हिस्से 'वुड्रफ कुंजी' से जुड़ी है, जो मैग्नेटो के भीतर होता है। हालांकि कंपनी का मानना है कि यह समस्या सभी बाइक्स में नहीं, बल्कि सिर्फ करीब 2त्र यूनिट्स में देखने को मिली है। इस तकनीकी खामी के चलते राइडर्स के सफर के दौरान फंसने का खतरा बढ़ गया है। कंपनी अब इस समस्या को दूर करने के लिए रिप्लेसमेंट पार्ट्स डीलरशिप्स को भेज रही है और ग्राहकों से व्यक्तिगत रूप से संपर्क कर रही है ताकि सर्विस अपॉइंटमेंट बुक कर उन्हें बाइक की मरम्मत की सुविधा दी जा सके। मरम्मत की प्रक्रिया में मैग्नेटो और साइड कवर को हटाना पड़ेगा, जिसमें लगभग 1-2 घंटे का समय लग सकता है। स्क्रैम 440 में 440ष्ठ का रिफाइंड इंजन है और यह 6-स्पीड गियरबॉक्स के साथ आती है, जो हाईवे पर बेहतरीन क्रूज़िंग अनुभव देती है।

‘ऑपरेशन सिंदूर’ का असर सीमाओं पर नहीं बाजार पर भी पड़ा

डिफेंस सेक्टर से जुड़ी कंपनियों के शेयरों में आई जबरदस्त तेजी

नई दिल्ली।

भारत का पाकिस्तान पर 'ऑपरेशन सिंदूर' का प्रभाव सिर्फ सीमाओं तक सीमित नहीं रहा, इसका असर भारतीय शेयर बाजार पर भी नजर आया। पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले पीओके में आतंकी ठिकानों पर सटीक हमले के बाद डिफेंस सेक्टर से जुड़ी कंपनियों के शेयरों में जबरदस्त तेजी आई। सेना ने उन क्षेत्रों को निशाना बनाया जहां से भारत में आतंकी हमलों की साजिशें रची जा रही थीं और इस कार्रवाई के बाद बाजार में डिफेंस सेक्टर को लेकर सकारात्मक माहौल बना।

बाजार खुलते ही मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल) के शेयरों में 4.68 फीसदी की तेजी आई और इसके भाव 3107.55 रुपए तक पहुंच गए। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के स्टॉक्स में भी करीब 2 फीसदी की बढ़त हुई और शेयर 4589 तक चढ़ गया। पारस डिफेंस के शेयर करीब 5 फीसदी उछलकर 1419.85 रुपए तक पहुंच गया जबकि कोचीन शिपयार्ड में 3.70फीसदी और अस्त्र माइक्रोवेव में 2.63फीसदी की तेजी आई। भारत डायनामिक्स और डाटा पैटर्न्स जैसी अन्य डिफेंस कंपनियों ने भी मजबूती दिखाई, जिससे सेक्टर में व्यापक तेजी का माहौल रहा। विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसी सैन्य कार्रवाइयों के बाद रक्षा क्षेत्र में निवेशकों का भरोसा बढ़ता है, जिससे इन कंपनियों की ऑर्डर बुक को मजबूती मिलती है। सरकार की डिफेंस उत्पादन को आत्मनिर्भर बनाने की नीति और रक्षा क्षेत्र में तेजी से बढ़ते बजट के चलते इन कंपनियों की ग्रोथ संभावनाएं भी मजबूत नजर आती हैं। हालांकि शुरुआती तेजी के बाद बाजार में मुनाफावसूली का असर भी देखने को मिला। कुछ डिफेंस शेयरों ने दिन की शुरुआत हरे निशान से हुई, लेकिन 10ः15 बजे के बाद इनमें गिरावट आई और एचएएल जैसे प्रमुख स्टॉक्स लाल निशान पर चले गए। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक ऑपरेशन सिंदूर के तहत तीनों सेनाओं वायुसेना, थलसेना और नौसेना ने संयुक्त रूप से कार्रवाई की। हमले में बहावलपुर, मुरीदके और सियालकोट स्थित आतंकी अड्डों को आधुनिक हथियारों और तकनीक के जरिए ध्वस्त कर दिया गया, जिससे दुश्मन की आतंकी नेटवर्क को बड़ा नुकसान हुआ।

OPERATION
SINDOOR

भारत में बनी 6 कारें विदेशों में मचा रहीं धूम, कर रहीं जमकर कमाई

नई दिल्ली।

भारत में बने 6 कार मॉडल घरेलू बाजार की तुलना में अंतरराष्ट्रीय बाजारों में ज्यादा धूम मचा रहे हैं। हाल ही में जारी आंकड़ों से पता चलता है कि इन कारों में होंडा की सिटी और एलिवेट, निसान की सनी और मैग्नाइट, हुंडई की वर्ना और जीप की मेरिडियन शामिल हैं। सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (एसआईएएम) के मुताबिक यह परिवर्तन भारत में इन मॉडलों की मांग में गिरावट और कंपनियों द्वारा वैश्विक बाजारों में इनकी क्षमता को पहचानने और वहां अपना ध्यान बढ़ाने के कारण है। होंडा एलिवेट को भारत में सितंबर 2023 में लॉन्च किया था, लेकिन इसकी घरेलू बिक्री सुस्त रही। इसके बावजूद वित्त वर्ष 2025 में एलिवेट की 45,167 इकाइयों का निर्यात किया गया, जबकि घरेलू बिक्री सिर्फ 22,321 इकाइयों तक सीमित रही। भारत में सेडान की मांग में गिरावट के कारण वर्ना को अपेक्षित सफलता नहीं मिली, लेकिन मध्य पूर्व, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका जैसे क्षेत्रों में इसकी लोकप्रियता ने हुंडई को बड़ा निर्यात आधार प्रदान किया है। वित्त वर्ष 2025 में वर्ना की 50 हजार से ज्यादा इकाइयां निर्यात की गई। इस तरह निसान की मैग्नाइट और जीप मेरिडियन ने भी अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अच्छा प्रदर्शन किया है। कंपनियों ने उत्पादन बनाए रखने और आपूर्तिकर्ताओं के साथ अनुबंधों को पूरा करने के लिए निर्यात को अपनी रणनीति का हिस्सा बना लिया है।

शेयर बाजार बढ़त पर बंद

मुम्बई।

भारतीय सेना की पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर सफल एयर स्ट्राइक से उत्साहित शेयर बाजार भी बुधवार को बढ़त पर बंद हुआ जबकि सुबह बाजार की गिरावट के साथ शुरुआत हुई थी पर कुछ समय बाद ही वह हरे निशान पर आ गया।

दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 105.71 अंक करीब 0.13 फीसदी बढ़कर 80,746.78 पर बंद हुआ। ये अपने इंट्रा-डे के निचले स्तर 79,937.48 से 809.3 अंक करीब 1.01 फीसदी ऊपर रहा। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी अंत में यह 34.80 अंक तकरीबन 0.14 फीसदी बढ़कर 24,414.40 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में टाटा मोटर्स, बजाज फाइनेंस, अदानी पोर्ट्स और टाटा स्टील के शेयर ऊपर आये। ये 5.05 फीसदी की बढ़त के साथ ही बंद हुए। वहीं दूसरी ओर एशियन पेंट्स, सन फार्मा, आईटीसी, रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचसीएल टेक के शेयर सबसे ज़्यादा नीचे आये । इनमें 0.77 से 3.53 फीसदी तक की गिरावट रही। वहीं दुनिया भर के बाजारों की बात करें तो इसमें बुधवार को मिलाजुला कारोबार हुआ। एसएंडपी 500 और डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज के फ्यूचर्स लगभग 0.6 फीसदी उछले थे। अमेरिका और चीन ने इस सप्ताह के अंत में स्विट्ज़रलैंड में व्यापार वार्ता आयोजित करने की योजना की घोषणा की है। इससे एशियाई बाजारों में तेजी आई। अंत में टोक्यो का निक्केई 225 इंडेक्स 0.1 फीसदी नीचे आकर 36,779.66 पर बंद हुआ। वहीं हांगकांग का हैंगसेंग इंडेक्स 0.1 फीसदी की बढ़त के साथ ही 22,691.88 पर बंद हुआ। शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.8 फीसदी बढ़कर 3,342.67 पर पहुंचा। वहीं टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा मोटर्स के शेयर 5 फीसदी से ज्यादा बढ़कर बंद हुए। इससे पहले आज सुबह बाजार की कमजोर शुरुआत रही। सेंसेक्स 40 अंक करीब 0.05 फीसदी नीचे आकर 80,600 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 4.35 अंक टूटकर 24,375 पर खुला। वहीं मिडकैप शेयरों में तेजी रही है। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 136 अंक करीब 0.28 फीसदी की तेजी के साथ 53,572 पर था। स्मॉलकैप इंडेक्स 69 अंक तकरीबन 0.43 फीसदी की गिरावट के साथ 16,125 पर था। ऑटो, पीएसयू बैंक, फाइनेंशियल सर्विसेज, प्राइवेट बैंक और पीएसई के शेयर सबसे ज्यादा उछले। वहीं आईटी, फार्मा, एफएमसीजी इंडेक्स में गिरावट रही। बाजार में 539 शेयर लाभ में जबकि 1,122 शेयर नुकसान में रहे। टाटा मोटर्स, पावर ग्रिड, बजाज फाइनेंस, एमएंडएम, एसबीआई, इंडसइंड बैंक, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक, बजाज फिनसर्व, अदाणी पोर्ट्स, कोटक महिंद्रा बैंक और एनटीपीसी के शेयर सबसे अधिक लाभ में रहे जबकि एचसीएल टेक, एशियन पेंट्स, सन फार्मा, एचयूएल, टीसीएस, टाइटन, नेस्ले और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर नीचे आये।

यूके से फ्री ट्रेड एग्रीमेंट के बाद टेक्सटाइल कंपनियों के शेयरों में आई तेजी

नई दिल्ली।

टेक्सटाइल कंपनियों के शेयरों में तेजी आई। एसपी अपैरल्स, गोकलदास एक्सपोर्ट्स, अरविंद लिमिटेड, केपीआर मिल और वेलस्पन लिविंग के शेयर बुधवार को 20 फीसदी तक उछले। भारत और युनाइटेड किंगडम ने मंगलवार को फ्री ट्रेड एग्रीमेंट को अंतिम रूप दे दिया है, इसके बाद टेक्सटाइल कंपनियों के शेयरों में तेजी आ गई। एसपी अपैरल्स लिमिटेड के शेयर बुधवार को 20 फीसदी उछलकर 876.10 रुपए पर पहुंच गए। भारत-यूके के फ्री ट्रेड एग्रीमेंट के तहत टेक्सटाइल्स और गारमेंट्स पर 8-12 फीसदी यूके इंपोर्ट ड्यूटी को हटा दिया जाएगा। इंपोर्ट ड्यूटी खत्म होने से बांग्लादेश और वियतनाम जैसे देशों के मुकाबले भारत का एक्सपोर्ट और प्रतिस्पर्धी होगा। इसे गोकलदास एक्सपोर्ट्स लिमिटेड, केपीआर मिल, अरविंद लिमिटेड, एसपी अपैरल्स और वेलस्पन लिविंग जैसी कंपनियों के लिए पॉजिटिव रूप में देखा जा रहा है। समीक्षा के मुताबिक यह डील भारतीय कंपनियों को वित्त वर्ष 2027 तक युनाइटेड किंगडम से अपने रेवेन्यू कंट्रीब्यूशंस को दोगुना करने में मदद कर सकती है। गोकलदास एक्सपोर्ट्स लिमिटेड के शेयर बुधवार को बीएसई में 17 फीसदी से ज्यादा की तेजी के साथ 1013 रुपए पर पहुंच गए। कंपनी के शेयर मंगलवार को 852.65 रुपए पर बंद हुए थे। वेलस्पन लिविंग लिमिटेड के शेयर बुधवार को 13 फीसदी से ज्यादा के उछाल के साथ 138.65 रुपए पर जा पहुंचे। के पी आर मिल लिमिटेड के शेयर बुधवार को 8 फीसदी से ज्यादा के उछाल के साथ 1122.05 रुपए पर पहुंच गए हैं। वहीं, अरविंद लिमिटेड के शेयरों में 5 फीसदी से ज्यादा की तेजी देखने को मिली और कंपनी के शेयर 387 रुपए पर पहुंचे। वर्धमान टेक्सटाइल्स लिमिटेड के शेयरों में 6 फीसदी से ज्यादा की तेजी आई है। टेक्सटाइल कंपनी के शेयर बुधवार को 488 पर पहुंच गए।

‘निवेशक चार्टर से केवायसी एजेंसियां देंगी केआरए गतिविधियों की जानकारी

नई दिल्ली।

पूंजी बाजार नियामक सेबी ने कहा कि उसने केवाईसी पंजीकरण करने वाली एजेंसियों (केआरए) के लिए एक 'निवेशक चार्टर बनाया है, जिसमें निवेशकों को दी जाने वाली सेवाओं के साथ उनके अधिकारों और शिकायत निवारण तंत्र का भी विवरण है। निवेशक चार्टर केआरए की गतिविधियों के साथ निवेशकों को क्या करें और क्या न करें के बारे में भी जानकारी दी जाएगी। इस चार्टर का उद्देश्य कई गतिविधियों के बारे में निवेशकों की जागरूकता को बढ़ाने में मदद करना है। निवेशक और ग्राहक को निवेशक सेवा अनुरोधों का लाभ उठाने के लिए केवाईसी का पंजीकरण करने वाली एजेंसियों से निपटना होता है। केआरए निवेशकों या पंजीकृत मध्यस्थों को केवाईसी के पंजीकरण और संशोधन की स्थिति को ऑनलाइन ट्रैक करने के लिए आसान पहुंच प्रदान करती हैं। सेबी ने अपने परिपत्र में पंजीकृत केआरए से निवेशक चार्टर को मौजूदा और नए निवेशकों के संज्ञान में लाने के लिए कहा है। उसने चार्टर को केआरए की वेबसाइट पर डालकर और कार्यालयों में प्रमुख स्थानों पर प्रदर्शित करने को कहा है। सेबी ने कहा है कि केवाईसी पंजीकरण एजेंसियां पंजीकृत मध्यस्थों से प्रतिभूति बाजार में निवेशकों के केवाईसी रिकॉर्ड के पंजीकरण और संशोधन की सुविधा देती हैं, जिससे निवेशक की पहचान का सत्यापन और मान्यता तय होती है।

केरल में ईवी चार्जिंग पर नया नियम, रात में चार्ज करने पर होगा 30 फीसदी अधिक खर्च

नई दिल्ली।

केरल राज्य में इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) चार्जिंग को लेकर एक नया नियम लागू किया गया है, जिसके तहत अब रात के समय चार्ज करने पर ईवी मालिकों को 30फीसदी अधिक भुगतान करना होगा। केरल स्टेट इलेक्ट्रिसिटी रेगुलेटरी कमीशन ने यह बदलाव किया है, जिसका असर पब्लिक चार्जिंग स्टेशनों पर पड़ेगा। इस नए नियम के मुताबिक ईवी चार्जिंग को दो टाइम जोन में बांटा गया है। सोलर पीरियड, जो सुबह 9 बजे से लेकर शाम 4 बजे तक होता है, में चार्जिंग करने पर 30फीसदी कम टैरिफ देना होगा। इसका मतलब है कि इस समय अगर चार्जिंग के लिए 100 रुपये खर्च होते थे, तो अब वही 70 रुपये में हो जाएगा। इसके विपरीत, नॉन-सोलर पीरियड यानी शाम 4 बजे से लेकर सुबह 9 बजे तक चार्जिंग करने पर 30फीसदी ज्यादा खर्च होगा। इससे यह तय हो गया है कि रात के समय चार्जिंग पर ईवी मालिकों को अधिक भुगतान करना पड़ेगा। यह नया टैरिफ पब्लिक ईवी चार्जिंग स्टेशनों पर लागू होगा, जबकि घरेलू चार्जिंग पर इसका कोई असर नहीं होगा। फिलहाल यह नियम केरल में लागू किया गया है, लेकिन भविष्य में इसे अन्य राज्यों में भी लागू किया जा सकता है। चार्जिंग कंपनियों को भी अब एक नई चुनौती का सामना करना पड़ेगा। यदि वे दिन के समय सोलर ऊर्जा का पूरा इस्तेमाल नहीं कर पाते, तो उन्हें नुकसान हो सकता है, क्योंकि शाम के समय उपयोग की गई बिजली का क्रेडिट उन्हें नहीं मिलेगा। इस बदलाव से ईवी मालिकों को चार्जिंग की योजना बनाते समय अब समय का भी ध्यान रखना होगा। जो लोग दिन में अपनी कार चार्ज कर सकते हैं, उनके लिए यह फायदा होगा, जबकि जो लोग रात में चार्ज करते थे, उन्हें अब अधिक खर्च करना होगा। सरकार का उद्देश्य ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देना और ग्रिड पर दबाव कम करना है, जिससे यह बदलाव किया गया है।

एमआरएफ के शेयर खरीदने मची होड़, कंपनी ने किया हर शेयर पर 229 डिविडेंड का ऐलान

नई दिल्ली।

टायर बनाने वाली कंपनी एमआरएफ लिमिटेड के शेयर बुधवार को कारोबार के दौरान फोकस में रहे। कंपनी के शेयर 4.8 फीसदी चढ़कर 141505 रुपए के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गया। इसका पिछला बंद प्राइस 134964.40 रुपए था यानी बुधवार को इस शेयर में 6,540 रुपए से ज्यादा तेजी आई। शेयरों में इस तेजी के पीछे मार्च तिमाही के शानदार नतीजे और अब का सबसे ज्यादा डिविडेंड देने का ऐलान है। कंपनी ने बुधवार को अपने मार्च 2025 को समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष के लिए 229 रुपए प्रति शेयर के अंतिम डिविडेंड की घोषणा की है। 10 रुपए के फेस वैल्यू पर डिविडेंड 2290 फीसदी होगा। एमआरएफ लिमिटेड ने बुधवार को जनवरी-मार्च 2025 तिमाही के लिए अपने समेकित शुद्ध लाभ में साल-दर-साल 32.99 फीसदी की वृद्धि दर्ज की। समीक्षाधीन तीन महीनों में लाभ पिछले साल की इसी अवधि के 370.52 करोड़ रुपए के मुकाबले 492.74 करोड़ रुपए रहा। टायर निर्माता का परिचालन से राजस्व वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही में 11.43 फीसदी बढ़कर 7,074.82 करोड़ रुपए हो गया, जो एक साल पहले की समान अवधि में 6,349.36 करोड़ रुपए था। कुल व्यय भी बढ़ा, जो साल-दर-साल 10.33 फीसदी बढ़कर 6,526.87 करोड़ हो गया। एमआरएफ की ब्याज, कर, मूल्यह्रास और परिशोधन से पहले की आय 1,043 करोड़ रुपए रही। तिमाही के लिए ईबीआईटीडीए मार्जिन पिछले साल की समान अवधि से 70 आधार अंक बढ़कर 14.3 फीसदी से 15 फीसदी हो गया।

DEND
%
MRF
MRF

अब दो हिस्सों में बंट जाएगी टाटा मोटर्स, शेयरहोल्डर्स की मिली मंज़ूरी

एक कंपनी यात्री वाहन तो दूसरी कमर्शियल वाहनों का करेगी कारोबार

TATA MOTORS DEMERGER
ET NOW स्वदेश
TATA

नई दिल्ली।

टाटा मोटर्स ने कहा कि उसके शेयरहोल्डर्स ने कंपनी को दो हिस्सों में बांटने की योजना को मंजूरी दे दी है। इस योजना के तहत अब टाटा मोटर्स दो अलग-अलग लिस्टेड कंपनियों में बंट जाएगी। एक कंपनी यात्री वाहन का कारोबार संभालेगी तो दूसरी कमर्शियल वाहनों का। टाटा मोटर्स ने मार्च 2024 में ही इस बंटवारे का प्रस्ताव रखा था। कंपनी का कहना था कि इससे दोनों कारोबारों को अलग-अलग फोकस मिलेगा और ग्रोथ के बेहतर मौके बनेंगे।

यात्री वाहन वाले हिस्से में कंपनी की लग्ज़री ब्रांड जगुआर लैंड रोवर भी शामिल होगी, जो कंपनी की सबसे ज़्यादा कमाई करने वाला ब्रांड है। इस प्रस्ताव को शेयरहोल्डर्स ने करीब सर्वसम्मति से मंज़ूरी दी है। एक्सचेंज फाइलिंग के मुताबिक इस प्लान के पक्ष में 99.9995 फीसदी वोट पड़े। बंटवारे के बाद हर शेयरहोल्डर को दोनों नई कंपनियों में बराबर हिस्सेदारी मिलेगी।

इसका मतलब ये है कि अब टाटा मोटर्स के यात्री और कमर्शियल वाहन बिज़नेस अलग-अलग लिस्टेड कंपनियां बन जाएंगे, जिनके अपने अलग बोर्ड, रणनीति और फोकस होंगे। इससे इन दोनों क्षेत्रों में तेज़ी से विकास की संभावना बढ़ेगी। इस खबर के बाद मंगलवार को बाजार खुलते ही टाटा मोटर्स के शेयरों में 6 फीसदी का उछाल आया और वे 675 रुपए पर पहुंच गया। सुबह 10 बजे बीएसई पर कंपनी के शेयर 3.29 फीसदी की बढ़त के साथ 669.10 रुपए पर ट्रेड कर रहे थे।

ट्रंप के आदेश का भारतीय दवा निर्यात पर नहीं पड़ेगा असर

नई दिल्ली।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दवाओं के उत्पादन को बढ़ावा देने और दवा संयंत्रों को मंजूरी देने में लगने वाले समय को कम करने के उद्देश्य से एक आदेश पारित किया हैं। भारत, अमेरिका में दवा का प्रमुख निर्यातक देश है। मीडिया रिपोर्ट में उद्योग से जुड़े सूत्रों और विश्लेषकों का मानना है कि ट्रंप के इस कदम से भारतीय फार्मा निर्यातकों पर सीधा असर नहीं पड़ेगा। फार्मा कंपनियों के कई वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि अमेरिका में विनिर्माण का विस्तार करने का फैसला रणनीतिक फैसला है और यह कुछ खास उत्पादों पर निर्भर करेगा। एक प्रमुख फार्मा कंपनी के मुख्य वित्त अधिकारी ने कहा कि ज्यादा मार्जिन वाले या उन उत्पादों के लिए जहां किसी भारतीय कंपनी ने सह-विकास और मार्केटिंग के लिए अमेरिकी भागीदार बनाया है, वह अमेरिका में विनिर्माण इकाई शुरू करने पर विचार कर सकती है। उन्होंने कहा कि अमेरिका में विनिर्माण इकाई खोलने का फैसला कंपनियों और उत्पादों के हिसाब से अलग हो सकता है। यह व्यवहार्यता पर निर्भर करेगा। उन्होंने साफ कहा कि फिलहाल उनकी कंपनी की ऐसी कोई योजना नहीं है। फार्मा उद्योग के एक दिग्गज ने कहा कि अमेरिका का घरेलू उत्पादन को प्रोत्साहित करना स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि हर देश रोजगार पैदा करना और स्थानीय उद्योगों को बढ़ावा देना चाहेगा। मुझे नहीं लगता कि इससे भारतीय निर्यातकों पर कोई असर पड़ेगा। हम व्यवहार्यता के आधार पर अमेरिका में उत्पादन स्थानांतरित करने का फैसला लेंगे। ट्रंप ने अमेरिकी खाद्य एवं दवा प्रशासन को सुविधाएं ऑनलाइन होने से पहले शुरुआती सहायता प्रदान करने के लिए घरेलू विनिर्माताओं के साथ मिलकर काम करने का निर्देश दिया है। विदेशी उत्पादकों के लिए स्वास्थ्य नियामक को एपीआई स्रोत रिपोर्टिंग में सुधार करने के लिए कहा गया है। आदेश में पर्यावरण संरक्षण एजेंसी को भी संयंत्रों के निर्माण में तेजी के लिए काम करने का निर्देश दिया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक एफडीए आयुक्त ने कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर करने के दौरान कहा कि नियामक का इरादा विदेशी संयंत्रों का औचक निरीक्षण शुरू करने का है। नियामक चाहता है कि औषधि विनिर्माण की निगरानी अमेरिका के नियमों के अनुरूप हो। ट्रंप के इस आदेश से भारतीय फार्मा कंपनियों के शेयरों पर असर पड़ा। बंबई स्टॉक एक्सचेंज पर अरबिंदो फार्मा का शेयर 2.5 फीसदी गिर गया और निफ्टी फार्मा सूचकांक में 1.1 फीसदी की गिरावट आई।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद देश में खुशी का माहौल, नेता कर रहे सेना को सलाम

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर लिखा, हमें अपने सशस्त्र बलों पर गर्व

नई दिल्ली।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद बुधवार को भारतीय सेना ने पाकिस्तान और पीओके में मौजूद 9 आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया। इस एयर स्ट्राइक को ऑपरेशन सिंदूर नाम दिया गया। देर रात हुए इस हमले के बाद बुधवार को भारत में खुशी का माहौल है। इस एयर स्ट्राइक पर राजनीतिक दलों के दिग्गज नेताओं ने भारत माता की जय लिखकर भारतीय सेना के शौर्य को सलाम किया। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'हमें अपने सशस्त्र बलों पर गर्व है। जय हिंद।' कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने लिखा- ÷पाकिस्तान और पीओके से उत्पन्न होने वाले सभी प्रकार के आतंकवाद के खिलाफ भारत की एक अडिग राष्ट्रीय नीति है। हमें भारतीय सशस्त्र बलों पर नाज है, जिन्होंने पाकिस्तान और पीओके में आतंकी शिविरों को ध्वस्त कर दिया है। हम उनके दृढ़ संकल्प और साहस की सराहना करते हैं। राष्ट्रीय एकता और एकजुटता समय की मांग है और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस हमारे सशस्त्र बलों के साथ खड़ी है। हमारे लिए राष्ट्रीय हित सर्वोच्च है। दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने लिखा- हमें भारतीय सेना और अपने वीर जवानों पर गर्व है। आतंकवाद के खिलाफ इस लड़ाई में 140 करोड़ भारतवासी भारतीय सेना के साथ खड़े हैं। भारतीय सेना का साहस, हर देशवासी का विश्वास है। हम सब साथ हैं- आतंकवाद के खिलाफ एकजुट हैं। जय हिंद, जय भारत। कांग्रेस सांसद कुमारी शैलजा ने भारत की सुरक्षा व्यवस्था को सर्वोपरि बताते हुए लिखा- भारत की सुरक्षा से बड़ा कोई प्रश्न नहीं है। आतंकवाद जहां से भी उपजे उसका निर्मूलन राष्ट्रीय हित में जरुरी है। इस लड़ाई में कोई समझौता नहीं हो सकता। कांग्रेस पार्टी स्पष्ट कर चुकी है कि देश की सुरक्षा से जुड़े हर निर्णायक कदम में वह सरकार और सेना के साथ मजबूती से खड़ी है। यह समय राष्ट्रीय एकता का है। हम एकजुट हैं- देश के साथ, सेना के साथ। शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे ने लिखा- आतंकवाद को उसके सभी रूपों में समाप्त करना होगा। पीओके में किए गए सटीक हमले आतंकवाद के खिलाफ हैं और भारतीय रक्षा बलों को उन जगहों पर सटीक निशाना लगाने के लिए बधाई, जहां आतंकवाद को पनाह दी जा रही थी। उन पर इतनी जोरदार चोट करें कि आतंकवाद को फिर कभी मौका न मिले। जय हिंद।

पाकिस्तान पर हमले के बाद कई शहरों में उड़ानें रद्द, स्कूल-कॉलेज बंद

भारतीय सेना हवाई क्षेत्र पर रख रही कड़ी नजर

नई दिल्ली।

ऑपरेशन सिंदूर के मद्देनजर इंडियन एयरलाइंस ने श्रीनगर समेत उत्तर भारत के कई शहरों से उड़ानें रद्द कर दी हैं। वहीं, हवाई क्षेत्र में बदलती स्थितियों के कारण दिल्ली एयरपोर्ट ने बुधवार को यात्रियों के लिए ट्रेवल एडवाइजरी जारी की है। बता दें भारतीय सशस्त्र बलों ने बुधवार तड़के पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर में नौ आतंकी ठिकानों पर मिसाइल दागे, जिनमें जैश-ए-मोहम्मद का गढ़ बहावलपुर और लश्कर-ए-तैयबा का ठिकाना मुरीदके भी शामिल है। इसके अलावा संबंधित अधिकारियों द्वारा जारी आधिकारिक बयानों के मुताबिक कश्मीर के तीन जिलों, जम्मू के पांच जिलों और पंजाब के तीन सीमावर्ती जिलों में सभी स्कूल और कॉलेज बुधवार को बंद हैं। साथ ही 7 मई को होने वाली कश्मीर विश्वविद्यालय की सभी परीक्षाएं भी स्थगित कर दी गई हैं। सरकार के बयान के मुताबिक 7 मई की सुबह भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा ऑपरेशन सिंदूर किया गया। भारतीय सेना, नौसेना और वायु सेना को तैनात किया गया था और पीएम मोदी लगातार स्थिति पर नजर रख रहे थे। इस बीच पाकिस्तानी सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस ने कहा कि भारत ने पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में भावलपुर के साथ-साथ पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में कोटली और मुजफ्फराबाद में तीन जगहों पर हवाई हमले किए। वहीं, भारत सरकार के बयान के मुताबिक ऑपरेशन सिंदूर पर बुधवार सुबह 10-30 बजे एक प्रेस कांफ्रेंस भी की गई। वहीं, उत्तर प्रदेश पुलिस की एक्स पर की गई पोस्ट के मुताबिक सभी फील्ड यूनिट्स को रक्षा इकाइयों के साथ समन्वय करने और महत्वपूर्ण इकाइयों के आसपास सुरक्षा बढ़ाने का निर्देश दिया गया है। इसमें कहा गया कि यूपी पुलिस हर नागरिक की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सतर्क सुसज्जित और पूरी तरह तैयार है। कई मीडिया रिपोर्ट्स में सूत्रों के हवाले से बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान की ओर से संभावित जवाबी कार्रवाई की चिंताओं के बीच भारतीय हवाई क्षेत्र पर कड़ी नजर रखी जा रही है।

अफगानी पत्रकार ने लाइव शो में पाकिस्तानी मंत्री की कर दी बोलती बंद

ऑपरेशन सिंदूर ने पाकिस्ताननी दावों की खोल दी पोल

नई दिल्ली।

भारत के एयर स्ट्राइक को लेकर पाकिस्तान के सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार विदेशी मीडिया के सामने गिड़गिड़ाते नजर आए। अपना पक्ष रखने की कोशिश में भारत पर आरोप लगाने लगे, लेकिन उन्हें इसका करारा जवाब मिला। एक अफगान मूल की तेज़तर्रार पत्रकार याल्दा हकीम ने पाकिस्तानी सूचना मंत्री तरार से ऐसा तीखा सवाल पूछ डाला कि मंत्री महोदय की सिट्टी-पिट्टी गुम हो गई। याल्दा हकीम ने बेहद सख्त लहजे में कहा, दुनिया को बेवकूफ बनाना बंद कीजिए।

आप अच्छी तरह जानते हैं कि पाकिस्तान ने दशकों तक आतंकियों को पाला-पोसा है। इस एक लाइन ने मंत्री का चेहरा देखने लायक बना दिया। जवाब देने के बजाय वो बगलें झांकते नजर आए और विषय बदलने की कोशिश करने लगे।

तरार ने पत्रकार के सवालों पर दावा किया कि पाकिस्तान में कोई आतंकी शिविर नहीं है और उसने हमेशा पश्चिमी सीमा पर आतंकियों से लड़ाई लड़ी है। एंकर ने रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ के हाल ही में दिए बयान का जिक्र किया और याद दिलाया कि खुद पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने एक सप्ताह पहले इसी शो में स्वीकार किया था कि पाकिस्तान ने दशकों तक आतंकी गुटों को समर्थन, फंडिंग और प्रशिक्षण दिया है। इसके अलावा पूर्व राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ और पूर्व पीएम बेनजीर भुट्टो भी इस नीति की सार्वजनिक रूप से स्वीकार कर चुके हैं। यहां तक कि बिलावल भुट्टो भी स्वीकार कर चुके हैं। अफगान मूल की पत्रकार ने लाइव शो में पाकिस्तानी मंत्री को खूब लताड़ा और ऑपरेशन सिंदूर ने पाकिस्तान के उन तमाम दावों की पोल खोल दी है जिसमें वह कहता रहा है कि उसका आतंकवाद से कोई लेना-देना नहीं है।

पाकिस्तानी मंत्री दुनिया के सामने चीख-चीखकर ये कहते रहते हैं कि वो खुद आतंकवाद से त्रस्त है और उसके यहां आतंकी हमलों के पीछे भारत का हाथ है। दुनिया के कई मंचों पर पाकिस्तान आतंकवाद के मुद्दे पर घिरा रहा है, लेकिन इस बार जो हुआ उसने पूरे मीडिया जगत का ध्यान खींच लिया।

पाक में आतंकी ठिकानों पर तबाह करने पर सपा प्रमुख ने कहा- 'पराक्रमो विजयते'

लखनऊ।

पहलगाम आतंकी हमले का भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के जरिए पाकिस्तान और पीओके में मौजूद 9 आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया है। भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर पर समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव की भी प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा-'पराक्रमो विजयते'।

वहीं समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता फखरुल हसन चांद ने भी ऑपरेशन सिन्दूर की प्रशंसा करते हुए एक्स पर लिखा- 'जय हिंद'।

बता दें मंगलवार देर रात पाकिस्तान के बहावलपुर, मुजफ्फराबाद, सियालकोट समेत कई अन्य ठिकानों पर भारत ने एयर स्ट्राइक कर आतंकी ठिकानों को नेस्तनाबूद कर दिया। जानकारी मिल रही है कि इस हमले में 70 से ज्यादा आतंकी मारे गए हैं, जबकि कई अन्य घायल हुए हैं।

जानकारी के मुताबिक भारतीय सेना ने पाकिस्तान के बहावलपुर में जैश ए मोहम्मद का हेडक्वार्टर को उड़ा दिया है। मुरीदके में लश्कर ए तैयबा का हेडक्वार्टर तबाह कर दिया यहां लश्कर के 62 आतंकियों के मारे जाने की खबर है। मुजफ्फराबाद में हिजबुल मुजाहिद्दीन का अड्डा भी तबाह कर दिया गया है। कोटली में टेरर कैंप, गुलपुर, भिंबर, चक अमरू में टेरर लॉन्च पैड और सियालकोट में आतंकी कैंप को तबाह कर दिया गया है।

बता दें पहलगाम आतंकी हमले के 14 दिन बाद भारतीय सेना ने बदला ले लिया, जिसके बाद देश भर में उत्साह का माहौल है। देश में लोग आतिशबाजी कर जश्न मना रहे हैं। साथ ही मांग कर रहे हैं कि अब पीओके भी वापस लो।

पाकिस्तान और पीओके में भारत की सैन्य कार्रवाई स्वागत योग्य

संदीप दीक्षित ने कहा- हमारी सेनाओं को दिल से धन्यवाद और सलाम

नई दिल्ली।

भारत ने पहलगाम हमले का बदला पाकिस्तान और पीओके में ऑपरेशन सिंदूर एयर स्ट्राइक कर लिया। ऑपरेशन सिंदूर को लेकर कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने कहा कि यह सैन्य कार्रवाई स्वागत योग्य है। इसके लिए उन्होंने भारतीय सेना को बधाई दी है। दीक्षित ने कहा कि खबरों के मुताबिक भारतीय सेना ने जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा के मुख्यालय को तबाह कर दिया है। इससे पहले संदीप दीक्षित ने एक्स पोस्ट में लिखा- अभी सुबह-सुबह खबर मिली कि हमारी तीनें सेनाओं ने मिलकर पाकिस्तान में नौ आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया, जहां-जहां से आतंक जन्म लेता था और पनपता था, उस कोख को बर्बाद कर दिया है। हमारी सेनाओं को दिल से धन्यवाद और सलाम। वहीं, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता विजय वडेट्टीवार ने पाकिस्तान पर हुए एयर स्ट्राइक पर कहा है कि हम भारतीय सेना के साथ हैं और यह सैन्य कार्रवाई स्वागत योग्य है। उन्होंने कहा कि सरकार जो भी कदम उठाएगी, उसका पूरा समर्थन करेंगे। हम सरकार के साथ हैं। देश की इच्छा थी कि पाकिस्तान को एक बार उसकी औकात बताएं। पाकिस्तान बार-बार आंख मिचौली का खेल खेलकर हमारे लोगों को मारता था और अपनी दहशतगर्दी से बाज नहीं आ रहा था। उसको सबक सिखाने की जरूरत थी और वह कदम भारतीय सेना ने उठाया। बता दें भारतीय सशस्त्र बलों ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद सख्त जवाबी कार्रवाई करते हुए मंगलवार देर रात पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर में नौ आतंकी ठिकानों पर मिसाइल दागे, जिनमें आतंकवादी समूह लश्कर-ए-मोहम्मद का गढ़ बहावलपुर भी शामिल है। पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकियों ने 28 लोगों की निर्मम हत्या कर दी थी। इसके बाद से ही भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव काफी है। भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ काफी सख्त कदम उठाए थे और पीएम मोदी लगातार आतंकियों को उनके अंजाम तक पहुंचाने की बात कर रहे थे।

बीजेपी की प्रवक्ता मसूद अजहर पर बोलीं, इतनी आसान मौत थोड़ी मिलेगी

नई दिल्ली।

OPERATION
SINDOOR

ऑपरेशन सिंदूर में आतंकी मसूद अहजर के परिवार के 14 सदस्य ढेर कर दिए गए। इस बीच मसूद अजहर को लेकर बीजेपी की प्रवक्ता राधिका खेरा ने कहा कि उसे इतनी आसान मौत नहीं मिलेगी। सूत्रों की मानें तो अजहर का भाई आतंकी रऊफ असगर ऑपरेशन में गंभीर रूप से घायल हुआ है। आतंकी मसूद अजहर का जिक्र कर बीजेपी की प्रवक्ता ने कहा इतनी आसान मौत थोड़ी मिलेगी। भारतीय सेना तुझे गोली से नहीं, तड़पा-तड़पा के इतिहास से मिटाएगी। हर सांस तेरे लिए सज़ा बनेगी। राधिका खेरा ने अपने एक और सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, मसूद अजहर के 'वारिस' खत्म। 14 लाशें गिनी गईं। बीवी-बेटा-पूरा खूनखराबे का खानदान, सब खत्म। सिर्फ़ बदला नहीं, भारत ने नस्लें जला दीं। मोदी जी ने चेताया था कल्पना से भी बड़ी सज़ा मिलेगी। भारतीय सेना ने जलते घरों में वो भविष्य लिखा जो पाकिस्तान सपने में नहीं सोच सकते। जय हिन्द। इसके साथ ही राधिका खेरा लिखा, ये नया भारत है। घर में घुस कर मारता है। और फिर हमारी थल सेना-वायु सेना की जांबाज़ महिलाएं देश को इसकी पूरी सूचना प्रेस वार्ता के ज़रिए देती है। जय हिन्द। बता दें कि राधिका खेरा ने जिन जांबाज महिलाओं का जिक्र किया है वो सोफिया कुरैशी और व्योमिका सिंह हैं। सोफिया कुरैशी कर्नल हैं तो वहीं व्योमिका सिंह एयरफोर्स की विंग कमांडर हैं। ऑपरेशन सिंदूर के बारे में मीडिया को दोनों महिला अधिकारियों ने विस्तार से जानकारी दी। कर्नल सोफिया ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर पहलगाम में मारे गए मासूम नागरिकों और उनके परिवारों को न्याय दिलाने के लिए लॉन्च किया गया था। इस कार्रवाई में 9 आतंकी कैंपों को टारगेट किया गया और पूरी तरह से इसे बर्बाद किया गया।

संक्षिप्त समाचार

विश्व को आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस दिखाना चाहिए- जयशंकर

नई दिल्ली। भारतीय सेना की एयर स्ट्राइक के बाद विदेश मंत्री एस जयशंकर ने एक्स पर लिखा, विश्व को आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस दिखाना चाहिए। इस पूरे ऑपरेशन पर भारत के प्रधानमंत्री नजर बनाए हुए हैं। हमले के लिए जिम्मेदार समूहों से जुड़े आतंकवादी ढांचे को निशाना बनाकर यह ऑपरेशन सटीकता के साथ किया गया। भारत सरकार ने पुष्टि की है कि सभी 9 ठिकानों पर सफलतापूर्वक हमला किया गया, जिससे पाकिस्तान में कोई भी नागरिक या सैन्य ढांचा प्रभावित नहीं हुआ। बता दें कि पहलगाम हमले के ठीक 15 दिन बाद भारत ने पाकिस्तान से पहलगाम हमले का बदला ले लिया। पाकिस्तान और पीओके में मौजूद 9 आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया। इस एयर स्ट्राइक को ऑपरेशन सिंदूर का नाम दिया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ रात भर ऑपरेशन की प्रगति पर बारीकी से नजर रखी। सूत्रों ने पुष्टि की कि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों और सैन्य कमांडरों के साथ लगातार संपर्क में थे, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि अभियान योजना के अनुसार आगे बढ़े। भारतीय सेना के प्रवक्ता ने पुष्टि की कि हमले केंद्रित, नपे-तुले और उकसावे के नहीं थे।

कुत्तों का आतंक! अब तक 250 लोगों को काटा, घर से निकलने से डर रहे लोग

फरीदाबाद।

बल्लभगढ़ के पंजाबी मोहल्ले में आवारा कुत्तों का आतंक है यहां लोगों का घर से निकलना मुश्किल है। लोगों का कहना है कि सुबह-सुबह दो कुत्ते लगातार लोगों को काट रहे हैं जो भी गली में आता जाता है, उन पर हमला कर देते हैं। अब तक करीब 250 लोगों को यह कुत्ते काट चुके हैं। इस डर से लोग घर से बाहर निकलने में डर रहे हैं, जिन्हें जरूरी काम से बाहर जाना होता है तो वह डंडा लेकर निकलते हैं। एक स्थानीय निवासी ने बताया सुबह-सुबह ही ये कुत्ते लोगों को काट रहे हैं। पार्षद से इसकी शिकायत की थी, उन्होंने कहा कि वह बाहर हैं कुछ नहीं कर सकते। अब तक ढाई सौ से ज्यादा लोगों को काट चुके हैं। मोहल्ले की रहने वाली एक महिला ने बताया सुबह 8 बजे से ही मोहल्ले में दहशत का माहौल है। हर किसी के हाथ में डंडा रहता है कोई भी बाहर निकलने की हिम्मत नहीं कर रहा। बच्चे महिलाएं सब डरे हुए हैं। शिकायत के बाद भी नगर निगम कार्रवाई नहीं कर रहा है। मोहल्ले के पार्षद भी कुछ नहीं कर पा रहे हैं।

आलोचना करने का उद्देश्य ''सुरक्षाबलों का मनोबल कम करना- खरगे के बयान पर बोली भाजपा

नई दिल्ली। पहलगाम आतंकी हमले को लेकर खुफिया विफलता को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना की है, जिसके बाद भाजपा ने मंगलवार को दावा किया कि आलोचना करने का उद्देश्य ''सुरक्षाबलों का मनोबल कम करना है. झारखंड प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि खरगे की टिप्पणी ऐसे महत्वपूर्ण समय पर आई है जब ''आतंकवाद और पाकिस्तान के खिलाफ लड़ाई निर्णायक मोड़ पर है.

ऑटोमोबाइल निर्माताओं का कार डीलरों पर भारी दबाव

कार डीलरों के पास स्टॉक ज्यादा बिक्री कम, खर्चा बढा मुनाफा घटा

मुंबई भोपाल। भारत में प्रमुख ऑटोमोबाइल निर्माता कंपनियों द्वारा डीलरों के ऊपर भारी दबाव बनाया जा रहा है। वाहन डीलरों के पास जितना स्टॉक है। उसकी तुलना में बिक्री कम है। स्टाक भी ज्यादा दिन रखना पड़ रहा है। डीलरों के ऊपर बैंक ब्याज बढ़ रहा है। उनका मुनाफा घट रहा है। वाहन निर्माता कंपनी डीलरों के पास ज्यादा से ज्यादा स्टाक रखना चाहती है। कंपनी बिना आर्डर के डीलरों को वाहन भेज रहे हैं। ज्यादा से ज्यादा बिक्री का दबाव बनाया जा रहा है। बाजार में वाहनों की मांग कम हो रही है। ऐसी स्थिति में डीलर काफी परेशान हैं। फेडरेशन ऑफ़ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन ने वाहन निर्माता कंपनियों के दबाव पर आपत्ति जताते हुए विरोध दर्ज कराया है। संगठन का कहना है, डीलरों का मार्जिन पहले की तुलना में घटा है। बिक्री बढ़ाने के लिए ज्यादा डिस्काउंट देना पड़ रहा है। ज्यादा स्टॉक रखने के कारण बैंक का ब्याज डीलरों के ऊपर बढ़ता चला जा रहा है। बाजार में जिस तरह की प्रतिस्पर्धा देखने को मिल रही है। उसमें डीलर का मार्जिन कम हो रहा है। वाहन निर्माता कंपनियों द्वारा वाहनों की बिक्री बढ़ाने के लिए नए-नए डीलर तैयार किये जा रहे हैं। जिसके कारण वाहन डीलरों में नाराजगी देखने को मिल रही है।

दुनिया को ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बारे में बताने वाली कर्नल सोफिया कुरैशी मूल रूप से वडोदरा की हैं

एमएसयू में बायोकेमिस्ट्री की पढ़ाई करने के बाद सोफिया कुरैशी सेना में शामिल हो गईं और देश की सेवा कर रही हैं

अहमदाबाद।

गुजरात की धरती की एक बेटी कर्नल सोफिया कुरैशी आज देश के लिए गौरव की जीती-जागती प्रतिमूर्ति बन गई हैं। भारतीय सेना की इस बहादुर महिला अधिकारी ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बारे में मीडिया को संबोधित कर पूरे देश का ध्यान अपनी ओर खींचा है। कर्नल सोफिया कुरैशी मूल रूप से वडोदरा की रहने वाली हैं और एम.एस. की छात्रा हैं। उन्होंने 1997 में विश्वविद्यालय से बायोकेमिस्ट्री में स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त की। अपने वैज्ञानिक अध्ययन के बाद, उन्होंने भारतीय सेना को चुना और सिग्नल कोर में शामिल होकर कई सफलताएँ हासिल कीं। उनके दादा भी भारतीय सेना से जुड़े थे। जिन्होंने धार्मिक शिक्षक के रूप में सेवा में योगदान दिया। सैन्य परंपरा में पली-बढ़ी सोफिया और उनके पति आज भारतीय सेना की मैकेनाइज्ड इन्फैंट्री में अधिकारी हैं। दोनों देश की रक्षा के लिए समर्पित हैं। 2016 में कर्नल सोफिया ने भारतीय सेना के इतिहास में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। वह भारतीय सेना का नेतृत्व करने वाली पहली महिला अधिकारी बनीं और आसियान प्लस देशों के बहुराष्ट्रीय सैन्य अभ्यास फोर्स 18 में भाग लेने वाले 18 देशों में एकमात्र महिला कमांडर बनीं। उनके नेतृत्व में भारतीय टीम ने वैश्विक स्तर पर अपने कौशल और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन किया। उन्होंने न केवल क्षेत्र में योद्धाओं की भूमिका निभाई है, बल्कि उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय शांति मिशनों में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों के तहत उन्हें 2006 में छह वर्ष के कार्यकाल के लिए कांगो में तैनात किया गया था। उन्होंने शांति स्थापना और मानवीय सहायता के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य किया है। उनका स्पष्ट संदेश है, संघर्ष क्षेत्रों में शांति लाने के प्रयास मेरे लिए गौरव का क्षण रहे हैं। कर्नल सोफिया ने विंग कमांडर व्योमिका सिंह के साथ मिलकर देश की सुरक्षा पर संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद आज होगी सर्वदलीय बैठक, सरकार विपक्ष से करेगी चर्चा

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में ऑपरेशन सिंदूर के बाद सभी राजनीतिक दलों की एक सर्वदलीय बैठक बुलाई है। यह बैठक 8 मई यानी गुरुवार सुबह संसद भवन परिसर में होगी। सरकार का उद्देश्य विपक्षी दलों को ऑपरेशन के विवरण और आगे की रणनीति से अवगत कराना है। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि सर्वदलीय नेताओं की यह बैठक संसद पुस्तकालय भवन के समिति कक्ष जी-074 में होगी। बता दें भारतीय सेना ने बुधवार तड़के ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया, जिसमें पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले पीओके में नौ आतंकी ठिकानों पर मिसाइल से हमला किया। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक ये हमले पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में किया गया है। मंत्रालय ने साफ कहा कि हमले केंद्रित, संयमित और गैर-उत्तेजक थे और पाकिस्तानी सैन्य सुविधाओं को निशाना नहीं बनाया गया है। रक्षा मंत्रालय के बयान के मुताबिक निशाने पर लिए गए आतंकी ठिकाने लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद और हिजबुल मुजाहिदीन जैसे प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े थे। इनमें बहावलपुर और मुरीदके जैसे स्थान शामिल थे, जहां आतंकी संगठनों के मुख्यालय मौजूद हैं। भारतीय सेना ने कहा कि ऑपरेशन में लश्कर-ए-तैयबा के उन प्रशिक्षण शिविरों को नष्ट किया गया, जहां 2008 के मुंबई हमले के आतंकी अजमल कसाब और डेविड हेडली को प्रशिक्षित किया गया था। सर्वदलीय बैठक का आयोजन आतंकवाद के खिलाफ राष्ट्रीय एकजुटता प्रदर्शित करने और ऑपरेशन सिंदूर के बाद की स्थिति पर चर्चा करने के लिए किया जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बैठक की अध्यक्षता करेंगे, जिसमें गृह मंत्री अमित शाह, विदेश मंत्री एस. जयशंकर, और अन्य वरिष्ठ मंत्री मौजूद रहेंगे।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक कजोड़मल मीना के लिए स्काईटक प्रिन्टर्स, 111, नवाब कल्लन का बाग, एमएलए क्वार्टर, नीयर समाचार जगत, एमाआई रोड, जयपुर से मुद्रित एवं 303, भव्य टॉवर, कबीर मार्ग, बनीपार्क जयपुर से प्रकाशित।
(इस अंक में प्रकाशित समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत उत्तरदायी) समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्राधिकार जयपुर शहर होगा। मो. नं. 9928078717